भाद्रपद कृष्ण - 9 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 47 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 08-09-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पश्चिम बंगाल को भ्रष्टाचार तथा हिंसा मुक्त बनाने की लड़ाई जारी रखूंगा : बोस

6 जम्मू कश्मीर की वादियों में पूर्ण शांति

7 जी-20 में अफ्रीकी संघ को शामिल करने के प्रस्ताव का समर्थन करते हैं : चीन

फर्स्ट टेक

लंदन की जेल से संदिग्ध आतंकवादी फरार

लंदन/भाषा। लंदन की जेल से एक संदिग्ध आतंकवादी के भाग जाने के बाद बृहस्पतिवार को ब्रिटेन के हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर तलाशी अभियान चलाया गया। धोखाधड़ी के आरोप में भारत में वांछित हीरा व्यापारी नीरव मोदी भी तीन साल से अधिक समय से इसी जेल में बंद है। आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के उल्लंघन के आरोप में दक्षिण-पश्चिम लंदन की वंड्सवर्थ जेल में बंद विचाराधीन कैदी डेनियल अबेद खलीफ सामान पहुंचाने वाली वैन में छिपकर कथित तौर पर फरार हो गया। आरोपी ब्रिटिश सेना में सेवा भी दे चुका है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस की आतंकवाद निरोधक कमान ने फरार संदिग्ध का पता लगाने में मदद करने के लिए बुधवार को अपील जारी की।

मुझे पसंद करने के लिये मेस्सी से नफरत करना जरूरी नहीं : रोनाल्डो

लंदन/एपी। पुर्तगाल के लिये पिछले 20 साल से खेल रहे क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा कि उन्होंने और उनके चिर प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेस्सी ने फुटबॉल का इतिहास बदल दिया है और वह 38 वर्ष की उम्र में भी नये मानदंड कायम करना चाहते हैं । रोनाल्डो ने अगस्त 2003 में पुर्तगाल के लिये पदार्पण किया था । दो दशक बाद वह रिकॉर्ड 200 मैच खेलकर 123 अंतरराष्ट्रीय गोल कर चुके हैं । वह स्लोवाकिया में यूरोपीय चैम्पियनशिप क्वालीफायर में टीम के लिये खेलेंगे । रोनाल्डो ने कहा ,''मुझे अपनी उपलब्धियों पर गर्व है लेकिन मैं और आगे जाना चाहता हूं । मैं नये मानदंड बनाना चाहता हूं ।'' मेस्सी से प्रतिद्वंद्विता पर उन्होंने कहा ,'' अगर आपको रोनाल्डो पसंद है तो आपको मेस्सी से नफरत करने की जरूरत नहीं है । हम दोनों बहुत अच्छे हैं । हमने फुटबॉल का इतिहास बदल दिया है और पूरी दुनिया में हमें सम्मान मिला है । यह सबसे अहम है । उसने अपना रास्ता बनाया और मैने अपना।''

श्रीनगर में 'हाइब्रिड' आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर/भाषा। द रेजिस्टेंस फ्रंट के एक 'हाइब्रिड' आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया और उसके पास से एक हथगोला बरामद हुआ है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यहां यह जानकारी दी। श्रीनगर पुलिस ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, बटमालू के फिरदौसाबाद के निवासी टीआरएफ (द रेजिस्टेंस फ्रंट) के एक हाइब्रिड आतंकवादी मोहम्मद यावर रंगरेज को श्रीनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक हथगोला बरामद किया गया है। अधिकारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

08-09-2023 सूर्यास्त 6:15 बजे | 09-09-2023 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
66,265.56 (+385.04)	19,727.05 (+116.00)

सोना	चांदी
6,200 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	80,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी परिंदे

बड़े ही जोर से चहके,
सुरों से मन लुभावी हैं।
उड़ानें भर रहे जो भी,
समझना सब दिखावी हैं।
कभी मंदिर में चिंचियाते,
कभी मस्जिद में हावी हैं।
उड़ेंगे वोट दानें चुग,
परिंदे ये चुनावी हैं।।

आदित्य-एल1 ने ली सेल्फी

धरती और चाँद की तस्वीर साथ में ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान ने पृथ्वी और चंद्रमा की सेल्फी और तस्वीरें ली हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अनुसार, सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंज बिंदु (एल1) के लिए निर्धारित आदित्य-एल1 ने एक सेल्फी ली है और साथ ही पृथ्वी और चंद्रमा की तस्वीरें भी ली हैं। इसरो ने तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपलोड की हैं।

भारत की अंतरिक्ष आधारित सौर वेधशाला, आदित्य-एल1 को 2 सितंबर को ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान -एक्सएल (पीएसएलवी-एक्सएल) संस्करण नामक एक भारतीय रॉकेट द्वारा निम्न पृथ्वी कक्षा (एलईओ) में कक्षा में स्थापित किया गया था। तब से इसरो द्वारा अंतरिक्ष यान की कक्षा दो बार बढ़ाई गई है।

जैसे ही अंतरिक्ष यान लैग्रेंज पॉइंट (एल1) की ओर यात्रा करेगा, यह पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र (एसओआई) से बाहर निकल जाएगा। एसओआई से बाहर निकलने के बाद, क्रूज़ चरण शुरू हो जाएगा और बाद में अंतरिक्ष यान को एल 1 के चारों ओर एक बड़ी प्रभामंडल कक्षा में इंजेक्ट किया जाएगा - वह बिंदु जहां दो बड़े पिंडों-सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव बराबर होगा और इसलिए अंतरिक्ष यान किसी भी ग्रह की ओर गुरुत्वाकर्षण नहीं करेगा।

21वीं सदी एशिया की सदी : मोदी

भारत-आसियान सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री ने 12 सूत्री प्रस्ताव पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जकार्ता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संपर्क, व्यापार और डिजिटल बदलाव जैसे क्षेत्रों में भारत-आसियान सहयोग को मजबूत करने के लिए बृहस्पतिवार को 12 सूत्री प्रस्ताव पेश किया और साथ ही कोविड-19 महामारी के बाद एक नियम आधारित विश्व व्यवस्था बनाने का आह्वान भी किया।

इंडोनेशिया की राजधानी में आयोजित आसियान-भारतीय शिखर सम्मेलन में मोदी ने दक्षिण-पूर्वी एशिया-भारत-पश्चिमी एशिया-यूरोप को जोड़ने वाले एक मल्टी-मॉडल संपर्क और आर्थिक गलियारे की स्थापना का आह्वान किया और आसियान देशों के साथ भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) को साझा करने की पेशकश की।

समुद्री सहयोग पर एक संयुक्त बयान में, दोनों पक्ष शांति, प्रगति और साझा समृद्धि के लिए आसियान-भारत साझेदारी को लागू करने के लिए 'कार्य योजना' के व्यावहारिक कार्यान्वयन के माध्यम से ठोस कार्यों के साथ अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने पर सहमत हुए।

इसमें कहा गया है कि ब्लू इकानॉमी, अंतरिक्ष और खाद्य सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के अलावा हिंद-प्रशांत में निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र में भारत की ओर से की गई पहल का समर्थन करने पर सहमति व्यक्त की गई।

खाद्य सुरक्षा पर एक अलग संयुक्त बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने आपसी व्यापार और निवेश को बढ़ावा देकर खाद्य सुरक्षा और पोषण पर सहयोग को मजबूत करने का फैसला किया।

इस 12 सूत्री प्रस्ताव के तहत प्रधानमंत्री ने आतंकवाद, आतंकवाद के वित्तपोषण और साइबर दुष्प्रचार के खिलाफ सामूहिक लड़ाई और ग्लोबल साउथ की आवाज को बुलंद करने का भी आह्वान किया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की देश भर में धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव गुरुवार को देश भर में धूमधाम और पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धालु अलग-अलग तरह से इस इस त्योहार को मना रहे हैं।

भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में यह त्योहार विशेष तैयारियों के साथ मनाया जा रहा है। यहाँ श्रीकृष्ण मंदिर परिसर में भगवत भवन और लीला मंच पर कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में भक्त भाव-विभोर होकर थिरकते नजर आए।

वृन्दावन के तीन प्राचीन मन्दिरों राधारमण मन्दिर, राधादामोदर मन्दिर तथा गोकुलानन्द मन्दिर में दिन में ही ठाकुर जी का अभिषेक किया गया। वृन्दावन के शाह जी मन्दिर में भी जन्माष्टमी दिन में ही मनाई गई। राधारमण मन्दिर में आज श्रद्धालु उस समय भाव विभोर हो गए जब उन्होंने वैदिक मंत्रों, शंखध्वनि, घंटे, घड़ियाल के बीच 27 मन दूध, दही, बूरा, घी, शहद और विभिन्न औषधियों से ठाकुर का कई घंटे अभिषेक इस मन्दिर में देखा। अभिषेक के बाद चरणामृत को लेने के लिए श्रद्धालुओं की होड़ लग गई।

राष्ट्रीय राजधानी में जन्माष्टमी के मौके पर लक्ष्मी नारायण मंदिर, ईस्ट आफ कैलाश, पंजाबी बाग, रोहिणी और द्वारका स्थित इस्कॉन मंदिर, बद्री भगत झंडेवाला मंदिर, छतरपुर मंदिर, प्रीत विहार स्थित गुफा वाले मंदिर, आसफअली रोड स्थित श्रीराम हुनमान वाटिका मंदिर के अलावा अन्य मंदिरों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाया गया।

पाकिस्तान भारतीय तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ाने का प्रयास कर रहा: मंत्री

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के कार्यवाहक मंत्री अनीक अहमद ने बृहस्पतिवार को कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में खटास के बीच, देश ने भारत से सिख और हिंदू तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं क्योंकि हाल के वर्षों में उनकी संख्या में कमी आई है। देश में अल्पसंख्यकों के पवित्र स्थानों की देखभाल करने वाले इवेक्यू प्रॉपर्टी ट्रस्ट बोर्ड (ईपीटीबी) के दौरे के दौरान पत्रकारों से अहमद ने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच एक समझौते के तहत भारत से कम से कम 7,500 सिख और 1,000 हिंदू तीर्थयात्री हर साल पाकिस्तान की यात्रा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''चूंकि पिछले कई वर्षों के दौरान भारतीय तीर्थयात्रियों की संख्या समझौते की संख्या से कम है, इसलिए हमने भारत से तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ाने के प्रयास शुरू किए हैं।''

आतंकवादियों को आश्रय न दें : उपराज्यपाल सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/वार्ता। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोपोर के लोगों से आग्रह किया है कि वे आतंकवादियों और उनके मददगारों को किसी भी प्रकार का आश्रय न दें तथा उनसे निपटने का काम पुलिस एवं अन्य सुरक्षा बलों पर छोड़ दें।

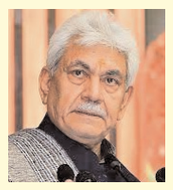

सिन्हा ने गुरुवार को डाक बंगला सोपोर में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कि प्रशासन आतंकवादियों को जड़ से खत्म करने और मुनाफाखोरों से सख्ती से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, आप सब लोग बस इतना करें और बाकी काम पुलिस और सुरक्षा बलों पर छोड़ दो। प्रशासन के पूर्ण सहयोग से हमारी पुलिस और सुरक्षा बल यह सुनिश्चित करेंगे कि केन्द्रशासित प्रदेश की धरती से आतंक और उसके पारिस्थितिकी तंत्र का सफाया हो जाए। जब तक आतंक-पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ नहीं टूट जाती, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे।

उपराज्यपाल ने कहा कि प्रशासन उन 'संघर्ष मुनाफाखोरों' के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिन्होंने आतंकवाद को अपना हथियार बनाकर केवल अपना खजाना भरा और आम आदमी को उनके हाल पर छोड़ने को मजबूर किया। सोपोर को कंधार की उपाधि किसने दी जो 1970 तक एक प्रसिद्ध व्यापारिक केंद्र था? यहां पथराव को बढ़ावा किसने दिया? इसके लिए जिम्मेदार लोगों ने सोपोर की जनता और आने वाली पीढ़ियों के साथ बहुत बड़ा अन्याय किया है।

आर्थिक अपराधियों से

1.8 अरब डॉलर से अधिक की संपत्ति बरामद की गई : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले लगभग चार वर्षों में आर्थिक अपराधियों और भगोड़ों से 1.8 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की संपत्ति बरामद की गई है।

यहां केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) मुख्यालय में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में अपराधियों और भगोड़ों के प्रत्यर्पण में खासी वृद्धि हुई है, खासकर अक्टूबर 2022 में भारत की मेजबानी में हुई 90वीं इंटरपोल महासभा के बाद से इसमें इजाफा हुआ है।

कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि इस साल अब तक 19 अपराधियों/भगोड़ों को भारत वापस लाया गया है, जबकि पहले हर साल औसतन लगभग 10 अपराधी/भगोड़े भारत लौटते थे। मंत्री ने कहा कि 2022 में यह आंकड़ा 27 और 2021 में 18 रहा। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में सिंह के हवाले से कहा गया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आर्थिक अपराध अधिनियम लाए जाने के बाद, पिछले लगभग चार वर्षों में आर्थिक अपराधियों और भगोड़ों से 1.8 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की संपत्ति बरामद की गई है।

द्रमुक नेता राजा ने सनातन की तुलना कुष्ठ रोग और एचआईवी जैसी बीमारियों से की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के उप महासचिव एवं लोकसभा सदस्य ए. राजा ने सनातन धर्म की तुलना कुष्ठ रोग और एचआईवी जैसी बीमारियों से की है।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान केंद्रीय मंत्री रहे राजा ने कहा कि तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी काफी मामूली थी और उन्होंने केवल यह कहा था कि सनातन धर्म को डेंगू और मलेरिया की तरह खत्म किया जाना चाहिए, जिसमें कोई सामाजिक कलंक नहीं है। उन्होंने बुधवार को कहा, ''यदि सनातन धर्म पर घृणित शब्दों में टिप्पणी की जाये; एक समय कुष्ठ रोग और एचआईवी को कलंक माना जाता था और जहां तक हमारा सवाल है, इसे (सनातन) एचआईवी और कुष्ठ रोग की तरह माना जाना चाहिए जिस पर सामाजिक कलंक था।'' उन्होंने कहा, ''उदयनिधि की टिप्पणी मामूली थी और यदि आप मुझसे पूछेंगे तो मैं कड़ी टिप्पणी करूंगा।''

राजा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सनातन धर्म का पालन करने की वकालत करते हैं और यदि उन्होंने इसका पालन किया होता, तो उन्होंने इतने सारे विदेशी देशों का दौरा नहीं किया होता।

राजा ने कहा, ''एक अच्छे हिंदू को समुद्र पार करके दूसरे देश में नहीं जाना चाहिए। आपका (मोदी) काम जगह-जगह जाना है।'' उन्होंने कहा कि मोदी ने सनातन धर्म के सिद्धांतों का उल्लंघन किया और विदेशों का दौरा किया और अब वह इसकी रक्षा करने का दावा कर रहे हैं जो एक धोखा है।

कुवैत में बंधक बनाए गए 19 तमिल युवा चेन्नई पहुंचे

चेन्नई। पिछले साल एक ट्रैवल एजेंसी द्वारा कुवैत में बंधक बनाए गए तमिलनाडु के 19 युवाओं को सुरक्षित अपने देश पहुंचाया गया। भारतीय दूतावास के प्रयास से बचाए गए सभी लोग गुरुवार को चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंच गए। हवाई अड्डे पर तमिलनाडु के मंत्री केएस. मस्तान ने अन्य अधिकारियों के साथ वापस आए युवाओं का स्वागत किया। युवकों ने ट्रैवल एजेंसी को एक लाख रुपये का भुगतान किया था, जो उन्हें मुफ्त रहने और भोजन के साथ 60,000 रुपये के मासिक वेतन के वादे पर मई 2022 में कुवैत ले गई थी। 'सपनों की दुनिया' में पहुंचने पर युवाओं को सूचित किया गया कि उन्हें केवल 18,000 रुपये की मासिक दिया जाएगा।

फर्जी तरीके से सीट बढ़ाने के मामले में

आंध्र प्रदेश के तीन निजी मेडिकल कॉलेजों की जांच

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा का पर्यवेक्षण करने वाले प्राधिकरण 'डॉ. वाईएसआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज' ने मेडिकल सीट की संख्या बढ़ाने के लिए कथित तौर पर राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद (एनएमसी) का फर्जी अनुमति पत्र पेश करने के आरोप में तीन निजी मेडिकल कॉलेजों के खिलाफ जांच शुरू की है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। विश्वविद्यालय के कुलपति कोरुकोंडा बाबजी ने कहा कि तीन मेडिकल कॉलेज, राजामहेंद्रवरम स्थित जीएसएल मेडिकल कॉलेज, विजयनगरम स्थित महाराजा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमआईएमएस) और नंदयाला स्थित शांतिराम मेडिकल कॉलेज धोखाधड़ी के इस कृत्य में शामिल थे। बाबजी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हमने तीनों कॉलेजों के प्राचार्यों को बुलाया और उनसे स्पष्टीकरण देने के लिए कहा है। हमने पूछताछ शुरू कर दी है।''

उद्घाटन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चेन्नई में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से पुलों और सड़कों का उद्घाटन किया।

बंगाल, झारखंड और त्रिपुरा की चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव की मतगणना आज

कोलकाता/रांची/अगरतला /भाषा। पश्चिम बंगाल, झारखंड और त्रिपुरा की चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव की मतगणना शुक्रवार को सुबह आठ बजे शुरू होगी। इन उपचुनावों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' की पहली चुनावी परीक्षा कहा जा रहा है।

त्रिपुरा की दो सीटों बॉक्सानगर और धनपुर, पश्चिम बंगाल की धूपगुड़ी और झारखंड की डुमरी सीट पर पांच सितंबर को उपचुनाव के लिए मतदान हुआ था। झारखंड में, एक चुनाव अधिकारी ने बताया कि गिरिडीह जिले के पचंभा में स्थित कृषि बाजार समिति में मतगणना केंद्र बनाया गया है।

गिरिडीह के उपायुक्त व सह-निर्वाचन अधिकारी नमन प्रियेश लाकड़ा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''कुल 24 चरणों में मतगणना होगी और मतगणना के लिए 70 से अधिक अधिकारियों को तैनात किया गया है।''

कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में वासवी महल कल्याण मंडप में बेंगलूरु के प्रभुपाद गौशाला राजराजेश्वरीनगर द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने बच्चों को राधा कृष्ण की वेशभूषा में सजा कर भगवान कृष्ण के दर्शन करने के लिए भेजा। इस मौके पर पहुंचे बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। गौशाला के प्रमुख आनंदकृष्ण दास एवं मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं श्रद्धालुओं ने भगवान कृष्ण का अभिषेक किया एवं झूला झुलाया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

राज्यसभा में 25 सरकारी विधेयक लंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद के उच्च सदन यानी राज्यसभा में कुल 25 सरकारी विधेयक लंबित हैं। उनमें से एक विधेयक 1992 का है जो पंचायत चुनावों के लिए दो बच्चों के मानदंड को अपनाने से संबंधित है। राज्यसभा के एक बुलेटिन के अनुसार लंबित विधेयकों में दिल्ली किराया (संशोधन) विधेयक, 1997 भी शामिल है जिसमें राष्ट्रीय राजधानी में किराए के नियमन, किराए वाले परिसरों की मरम्मत और किरायेदारों को बेदखल करने के प्रावधान हैं। इसके अलावा भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) कानून में संशोधन के प्रावधान वाला एक विधेयक भी लंबित विधेयकों की सूची में शामिल है।

आम तौर पर, लोकसभा में पेश होने वाले विधेयक की अवधि सदन का कार्यकाल समाप्त होने के साथ ही समाप्त हो जाती है। लेकिन राज्यसभा एक स्थाई सदन है और इसका कभी विघटन नहीं होता है। इस सदन में पेश किए गए और लंबित विधेयक तब तक सूची में बने रहते हैं जब तक कि सरकार उन्हें वापस नहीं ले लेती। पंचायत चुनावों के लिए दो बच्चों के मानदंड से जुड़ा संविधान (79वां संशोधन) विधेयक, 1992 संसद के उच्च सदन में लंबित सबसे पुराना मसौदा कानून है। सरकार ने 2005 में समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में लोकसभा में कहा था कि संविधान (79वां संशोधन विधेयक, 1992) विधेयक को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति नहीं होने के कारण संसद में लंबित है। इन विधेयकों के अलावा नगरपालिका (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) विधेयक, 2001; बीज विधेयक, 2004; भारतीय चिकित्सा और होम्योपैथी फार्मेसी विधेयक, 2005; भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक, 2008; खान (संशोधन) विधेयक, 2011 और अंतर-राज्य प्रवासी कामगार (रोजगार और सेवा शर्तों का विनियमन) संशोधन विधेयक, 2011 भी लंबित हैं।

इसके अलावा भवन और अन्य निर्माण श्रमिक संबंधित कानून (संशोधन) विधेयक, 2013; रोजगार कार्यालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) संशोधन विधेयक, 2013; राजस्थान विधान परिषद विधेयक, 2013; पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2013 और दिल्ली किराया (निरसन) विधेयक, 2013 भी लंबित विधायकों की सूची में शामिल हैं। लंबित विधेयकों में अनिवासी भारतीय विवाह पंजीकरण विधेयक, 2019; अंतर-राज्य नदी जल विवाद (संशोधन) विधेयक, 2019 और कीटनाशक प्रबंधन विधेयक, 2020 भी शामिल हैं।

भारत की अध्यक्षता में जी20 शिखर सम्मेलन के नतीजे विश्व के लिए "सार्थक परिणाम देंगे": प्रहलाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि जी20 की मेजबानी करना भारत के लिए एक स्वर्णिम क्षण है और इसकी अध्यक्षता के दौरान तैयार की गई रूपरेखा ''पूरे विश्व के लिए सार्थक परिणाम लाएगी।''

भारत ने पिछले साल जी20 की अध्यक्षता संभाली थी।

जी20 नेताओं के शुक्रवार को शुरू होने वाले शिखर सम्मेलन से पहले कोयला एवं खनन मंत्री प्रह्लाद जोशी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि जी20 की मेजबानी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण, ऐतिहासिक और स्वर्णिम क्षण है। उन्होंने कहा, '' एजेंडा वैश्विक भलाई का है, पृथ्वी की भलाई का है, पृथ्वी के सतत भविष्य का है और इसीलिए जी20 के लिए हमारा नारा 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' है। मिशन लाइफ इसका बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है।''

जोशी ने कहा, '' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अर्थव्यवस्थाओं के सतत विकास पर ध्यान केंद्रित किया और कहा कि यह किसी युद्ध का समय नहीं है। उनके विचारों को विश्व स्तर पर स्वीकारा गया और सराहा गया।'' उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन के नतीजे निस्संदेह पूरी दुनिया के लिए अच्छे परिणाम लाएंगे।

भारत की स्थिति पर जोशी ने कहा, '' प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश पिछले कुछ वर्षों में एक नेता के रूप में उभरा है और आज भारत जो कहता है, दुनिया उसे सुनती है और उसका समर्थन करती है।''

जोशी ने कहा कि भारत ने वैश्विक महामारी के दौरान संकट से निपटने के लिए विभिन्न देशों को घरेलू स्तर पर निर्मित टीकों और अन्य आवश्यक दवाओं की आपूर्ति करके वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई।

जी20 में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (27 सदस्यीय समूह) शामिल हैं।

जी20 सदस्य देश वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का करीब 85 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत से अधिक और करीब दो-तिहाई वैश्विक आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारत ने अमेरिका के आधा दर्जन उत्पादों से 'जवाबी' शुल्क हटाया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अमेरिका के लगभग आधा दर्जन उत्पादों पर 2019 में लगाया गया अतिरिक्त शुल्क हटा दिया है। अमेरिका द्वारा भारत के कुछ इस्पात और एल्युमीनियम उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने के फैसले के जवाब में यह कदम उठाया गया था। भारत ने 2019 में अमेरिका के इस कदम के जवाब में उसके 28 उत्पादों पर यह शुल्क लगाया था। वित्त मंत्रालय की पांच सितंबर की अधिसूचना में इन उत्पादों से शुल्क हटाने की जानकारी दी गई है। इन उत्पादों में चना, दाल (मसूर), सेब, छिलके वाला अखरोट और ताजे या सूखे बादाम के साथ ही छिलके वाले बादाम शामिल हैं।

भारत ने यह कदम अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने से पहले उठाया है। बाइडन शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। प्रधानमंत्री की जून में आधिकारिक अमेरिका यात्रा पर दोनों देशों ने डब्ल्यूटीओ में छह विवादों को खत्म करने और अमेरिकी उत्पादों पर प्रतिक्रिया स्वरूप लगाए गए शुल्क को हटाने का फैसला लिया था।

चीनी प्रतिस्पर्धा के बावजूद भारतीय कृषि-रसायन उद्योग 9% से अधिक बढ़ सकता है : नीति आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने कहा कि भारत के कृषि-रसायन उद्योग में चीन से प्रतिस्पर्धा के बावजूद मौजूदा नौ प्रतिशत से अधिक बढ़ने की क्षमताएं हैं।

चंद ने कहा कि कई पश्चिमी देश कृषि रसायनों के स्थान पर अब जैव कीटनाशकों का इस्तेमाल कर रहे हैं और भारतीय उद्योग को इस पहलू पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने एग्रो केम फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसीएफआई) से कृषि रसायनों के व्यापार को आसान बनाने पर एक प्रस्ताव लाने का आग्रह किया।

नीति आयोग के सदस्य चंद ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में एसीएफआई की छठी वार्षिक आम बैठक के अवसर पर एक चर्चा के दौरान यह बात कही।

उन्होंने कहा, '' कृषि रसायन उद्योग ने नौ प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है...इस वृद्धि दर का अधिकतर हिस्सा कोविड-19 वैश्विक महामारी के वर्षों के दौरान हासिल हुआ जब उत्पादन गतिविधियां गंभीर रूप से प्रभावित थीं।''

नीति आयोग के सदस्य चंद ने कहा कि आर्थिक और उत्पादन व्यवधानों के बावजूद घरेलू कृषि रसायन उद्योग ने 2017-18 और 2022-23 के बीच प्रभावशाली वृद्धि की।

उन्होंने कहा, '' हम इस वृद्धि दर को आसानी से नौ प्रतिशत से अधिक भी बढ़ा सकते हैं।''

सरकार 2019 के चुनावों से पहले आरबीआई से तीन लाख करोड़ रुपये निकालना चाहती थी : विरल आचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य ने कहा है कि वर्ष 2018 में सरकार में बैठे कुछ लोगों ने चुनाव से पहले 'लोकलुभावन' खर्चों के लिए केंद्रीय बैंक से दो-तीन लाख करोड़ रुपये हासिल करने के लिए उसपर 'धावा' बोलने की कोशिश की थी जिसका पुरजोर विरोध हुआ था। आचार्य ने अपनी किताब में लिखा है कि 2019 के आम चुनावों से पहले सरकार अपने लोकलुभावन खर्चों की भरपाई के लिए आरबीआई से यह बड़ी रकम निकालने की कोशिश में थी। लेकिन आरबीआई इसके पक्ष में नहीं था जिसकी वजह से सरकार के साथ उसके मतभेद बढ़ गए थे।

उस समय सरकार ने आरबीआई को निर्देश देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अधिनियम की धारा सात का इस्तेमाल करने की भी चेतावनी दी थी। आरबीआई के तत्कालीन डिप्टी गवर्नर आचार्य ने यह मामला सबसे पहले 26 अक्टूबर, 2018 को एक व्याख्यान में उठाया था। अब यह प्रकरण उनकी किताब 'क्रेस्ट फॉर रिस्टोरिंग फाइनेंशियल स्टेबिलिटी इन इंडिया' की नई प्रस्तावना में भी प्रमुखता से उजागर हुआ है। इसमें सरकार की कोशिश को 'केंद्र द्वारा राजकोषीय घाटे का पिछले दरवाजे से मौद्रीकरण' बताया गया है। आचार्य ने वर्ष 2020 में पहली बार प्रकाशित अपनी किताब के नए संस्करण की प्रस्तावना में कहा, 'नौकरशाही और सरकार में बैठे रचनात्मक मस्तिष्क' वाले कुछ लोगों ने पिछली सरकारों के कार्यकाल में आरबीआई के पास जमा हुई बड़ी रकम को वर्तमान सरकार के खाते में स्थानांतरित करने की एक योजना तैयार की थी।' दरअसल, आरबीआई हर साल अपना लाभ सरकार को पूरी तरह देने के बजाय उसका एक हिस्सा अलग रख देता है।

एलएसएएम 16 शृंखला का दूसरा बजरा नौसेना को सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय नौसेना ने कहा है कि एलएसएएम 16 (यार्ड 126) शृंखला का दूसरा बजरा उसे सौंप दिया गया है। इसका निर्माण एक निजी कंपनी ने किया है और इसे शामिल करने से नौसेना की परिचालन प्रतिबद्धताओं को प्रोत्साहन मिलेगा। नौसेना ने एक बयान में बताया कि नौसेना को बजरा की आपूर्ति बुधवार को की गई है। नौसेना ने बताया कि सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के अनुरूप 'इलेवन ऐम्युनिशन बार्जेस' के निर्माण और वितरण का अनुबंध ठाणे स्थित कंपनी मेसर्स सूर्यदीप्त प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुआ था। बयान में कहा गया है, शृंखला का दूसरा बजरा एलएसएएम 16 (यार्ड 126) छह सितंबर को कमांडर एमवी राज कृष्णा, सीओवाई (एमबीआई) की उपस्थिति में भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया है।

बयान में कहा गया है कि बजरा को मुंबई में सौंपा गया है, इसे भारतीय जहाज पंजी (आईआरएस) के नियमों के तहत बनाया गया है और इसकी सेवा 30 साल तक ली जा सकती है।

दही हांडी उत्सव : मानव पिरामिड बनाते समय 35 गोविंदा घायल

मुंबई/भाषा। मुंबई में बृहस्पतिवार को कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित दही हांडी उत्सव के दौरान अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 35 'गोविंदा' घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्सव के दौरान, गोविंदा या दही हांडी प्रतिभागी हवा में लटकी 'दही हांडी' को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाते हैं। पूरे शहर में यह उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है।

सुबह से शुरू हुआ उत्सव देर रात तक मनाया जाएगा। शहर भर में विभिन्न स्थानों पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, जिसमें दही हांडी तोड़ने में सफल होने वाले गोविंदा समूहों को नकद पुरस्कार दिया जाता है। मानव पिरामिड बनाने के दौरान प्रतिभागियों के गिरने और घायल होने की आशंका रहती है।

अधिकारी ने कहा, ''मुंबई में दही हांडी उत्सव के दौरान अब तक कम से कम 35 गोविंदा को चोटें आई हैं। चार गोविंदा को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से दो को मध्य मुंबई के परेल में बीएमसी संचालित केईएम अस्पताल और दो को घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।''

ओपल में 15,000 करोड़ रुपये के निवेश से नियंत्रक हिस्सेदारी लेगी ओएनजीसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनी ओएनजीसी अपनी पेट्रोरसायन फर्म ओपल में करीब 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है जिसके बाद गैस कंपनी गेल इंडिया इससे अलग हो जाएगी।

गुजरात के दाहेज में एक बड़े पेट्रोरसायन संयंत्र का परिचालन करने वाली ओएनजीसी पेट्रो-एडिशंस लिमिटेड (ओपल) में ओएनजीसी की हिस्सेदारी फिलहाल 49.36 प्रतिशत है।

वहीं सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य कंपनी गेल इंडिया लिमिटेड के पास 49.21 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि बाकी 1.43 प्रतिशत हिस्सेदारी गुजरात राज्य पेट्रोरसायन निगम (जीएसपीसी) के पास है। ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के निदेशक मंडल ने भारी कर्ज में डूबी ओपल के वित्तीय पुनर्गठन के बारे में पिछले सप्ताह फैसला किया। इस योजना के तहत ओएनजीसी शेयर वॉरेंट को इक्विटी में बदलने, 7,778 करोड़ रुपये के परिवर्तनीय डिबेंचर की पुनर्खरीद और 7,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने जा रही है।

शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कंपनी ने कहा कि वित्तीय पुनर्गठन पर कुल 14,864.281 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस हिस्सेदारी के अधिग्रहण के बाद ओपल में ओएनजीसी की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 95 प्रतिशत हो जाएगी। इसके साथ ही ओपल ओएनजीसी की एक अनुषंगी बन जाएगी।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने हैदराबाद में खुद को आग लगाने वाले होम गार्ड से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार होम गार्ड की कामकाजी परिस्थितियों में सुधार के संबंध में किए गए वादों और आश्वासनों को पूरा करने में विफल रही है।

मंगलवार को कथित तौर पर आत्मदाह का प्रयास करने के बाद इलाज करा रहे होम गार्ड रविंदर से मुलाकात के बाद रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा कि घटना की गहन जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''आत्महत्या का प्रयास बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हम होम गार्ड कर्मियों का शोषण देख रहे हैं। राज्य सरकार होम गार्ड को उनके अधिकार न देकर उनका अपमान कर रही है।'' यातायात में तैनात होम गार्ड रविंदर मंगलवार को यहां गोशामहल में होम गार्ड कमांडेंट के कार्यालय में गये थे और उन्होंने खुद को आग लगा ली। कुछ राहगीरों द्वारा घटना की सूचना दिए जाने के बाद पुलिस ने रविंदर को अस्पताल में भर्ती कराया।

रविंदर की पत्नी ने बुधवार को दावा किया था कि उनके पति ने मंगलवार को फोन पर बताया था कि जब वह कमांडेंट कार्यालय गए तो दो वरिष्ठ पुलिसकर्मियों - सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) और कमांडेंट कार्यालय में कार्यरत एक कांस्टेबल ने उनके साथ ''बुरा व्यवहार'' किया था।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''मुख्यमंत्री (के.चंद्रशेखर राव) द्वारा किए गए कई वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया था कि होम गार्ड कर्मियों के साथ राज्य सरकार के कर्मचारियों के समान व्यवहार किया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।''

160 किलोग्राम की बीमार महिला बिस्तर से गिरी, परिवार ने उठाने के लिए दमकल की मदद मांगी

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में बृहस्पतिवार को 160 किलोग्राम वजन की एक बीमार महिला अपने बिस्तर से नीचे गिर गई, जिसे उठाने के लिए परिवार के सदस्यों ने अग्निशमन विभाग की मदद मांगी। नगर निकाय के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि खराब स्वास्थ्य की वजह से चलने-फिरने में दिक्कत से जूझ रही 62 वर्षीय महिला वाघबिल इलाके में अपने फ्लैट में सुबह करीब आठ बजे दुर्घटनावश बिस्तर से गिर गई। ठाणे नगर निगम के अधिकारी ने कहा कि परिवार के सदस्य महिला को वापस बिस्तर पर लिटाने में नाकाम रहे। निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि परिवार के सदस्यों ने मदद के लिए अग्निशमन अधिकारियों से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) का एक दल तुरंत फ्लैट पर पहुंचा, जिन्होंने महिला को उठाया और वापस बिस्तर पर लिटाया। अधिकारी ने कहा कि महिला को गिरने से किसी प्रकार की चोट नहीं आई है। अधिकारी ने कहा कि आरडीएमसी कई तरह की आपात स्थितियों से निपटता है लेकिन यह एक असामान्य स्थिति थी।

वायु सेना को इस महीने पहला एयरबस सी-295 परिवहन विमान मिलेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। यूरोपीय विमान विनिर्माता एयरबस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत को इस महीने अपना पहला एयरबस सी-295 सामरिक सैन्य परिवहन विमान मिलेगा।

एयरबस इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक रेमी मैलार्ड ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''भारतीय वायु सेना को पहले सी-295 विमान की आपूर्ति इसी महीने की जाएगी।''

एयरबस द्वारा विमानन क्षेत्र के लिहाज से इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने के लिए गति शक्ति विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जाने के बाद मैलार्ड ने संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे।एयरबस के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी पहले सी-295 विमान को लेने के लिए स्पेन के सेविले जाएंगे। भारत ने सितंबर 2021 में 56 सी-295 सैन्य परिवहन विमान की आपूर्ति के लिए एयरबस के साथ समझौता किया था।

समझौते के अनुसार वड़ोदरा में एयरबस के साथ साझेदारी में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड द्वारा स्थापित संयंत्र में 40 विमान बनाए जाएंगे।

हाथियों की मौत रोकने में रेलवे के लिए मददगार साबित हुआ कृत्रिम मेधा आधारित निगरानी तंत्र

नई दिल्ली/भाषा। पूर्वोत्तर में हाथियों के 11 गलियारों में कृत्रित मेधा आधारित निगरानी तंत्र की शुरुआत से वहां ट्रेन की टक्कर से हाथियों की मौत के मामलों को रोकने में काफी मदद मिली है और अब पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे इसे पूरे क्षेत्र में शुरू करने की योजना बना रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली (आईडीएस) को पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) की ओर से दिसंबर 2022 में हाथियों के 11 गलियारों में लगाया गया था। अलीपुरद्वार मंडल में पांच और लुमडिंग मंडल में छह उपकरण लगाए गए थे।

एनएफआर के अनुसार, दिसंबर 2022 में इसकी शुरुआत से इस साल जुलाई तक आठ माह में आईडीएस ने 9,768 यानी रोजाना औसतन 41 चेतावनी संदेश दिये। एनएफआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने कहा, ''जब भी कोई हाथी रेलवे लाइन पर कदम रखता है तो यह प्रणाली ट्रेन नियंत्रक, स्टेशन मास्टर, ट्रेन के लोको पायलट और अन्य उन संबद्ध पक्षों को आगाह कर देती है जो इस खतरे से बचने के लिए एहतियाती कदम उठाते हैं। '' उन्होंने यह भी बताया कि प्रायोगिक परियोजना को लगभग छह करोड़ रुपये की लागत से शुरू किया गया था। डे ने बताया कि प्रणाली की शुरुआत के बाद से अब तक इन 11 गलियारों में ट्रेन-हाथी की टक्कर होने की कोई घटना नहीं हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश में हर साल ट्रेन की टक्कर से औसतन 20 हाथियों की मौत हो जाती है और इनमें से अधिकतर घटनाएं पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में होती हैं। अधिकारियों ने कहा कि आईडीएस की सफलता से ऐसी घटनाओं को पूरी तरह रोकने की उम्मीद जगी है। उन्होंने बताया कि रेलवे की ओर से दूरसंचार और सिग्नलिंग के उद्देश्यों से पटरियों के नीचे बिछाए गए ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) को ही आईडीएस के कार्यान्वयन के लिए इस्तेमाल में लिया गया है।

मोदी और उनके 'सहयोगी' अपनी असफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए 'सनातन' का उपयोग कर रहे : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कथित सनातन धर्म विरोधी टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीखे हमले के बाद द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता और तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमलावर हुए और भाजपा नेताओं पर पिछले सप्ताह यहां आयोजित लेखकों के सम्मेलन में इस मुद्दे पर उनके बयानों को 'तोड़ मरोड़कर पेश' करने का आरोप लगाया। द्रमुक की युवा शाखा के प्रमुख उदयनिधि राज्य के युवा कल्याण एवं खेल विभाग के मंत्री हैं। उन्होंने इस संबंध में हर तरह के मामलों का कानूनी रूप से सामना करने का संकल्प जताया।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी तीखा हमला करते हुए कहा कि 'वह मणिपुर हिंसा को लेकर उठते सवालों का सामना करने से डरकर दुनिया भर में घूम रहे हैं'। उनकी इस टिप्पणी से एक दिन पहले प्रधानमंत्री ने नयी दिल्ली में अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ तमिलनाडु के नेता की कथित सनातन धर्म विरोधी टिप्पणियों को लेकर विवाद पर चर्चा की थी। मोदी ने कहा था कि ऐसी बयानबाजी करने वाले दलों और नेताओं को बेनकाब किया जाना चाहिए और सच्चाई लोगों के सामने लानी चाहिए।

उदयनिधि स्टालिन ने कहा, पिछले नौ वर्षों से आपके (भाजपा) सभी वादे खोखले रहे हैं। आपने वास्तव में हमारे कल्याण के लिए क्या किया है, यह सवाल वर्तमान में फासीवादी भाजपा सरकार के खिलाफ पूरा देश एकजुट होकर उठा रहा है। यह इसी पृष्ठभूमि में है कि भाजपा नेताओं ने टीएनपीडब्ल्यूएए सम्मेलन में मेरे भाषण को तोड़-मरोड़कर नरसंहार 'भड़काने वाला' बताया। वे इसे खुद को बचाने का हथियार मानते हैं।

उदयनिधि ने कहा 'आश्चर्य की बात यह है कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री 'फर्जी खबर' के आधार पर मेरे खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, पूरी निष्पक्षता से कहें तो मुझे उनके खिलाफ आपराधिक मामले और अन्य अदालती मामले दायर करना चाहिए क्योंकि उन्होंने सम्मानजनक पदों पर रहते हुए मुझे बदनाम किया। लेकिन मुझे पता है कि यह उनके अपने अस्तित्व को बचाए रखने का तरीका है। वे नहीं जानते कि अस्तित्व बचाने का और तरीका क्या है, इसलिए मैंने ऐसा नहीं करने का फैसला किया है। वह द्रमुक के संस्थापक, द्रविड़ वरिष्ठ नेता दिवंगत सीएन अन्नादुरई के राजनीतिक उत्तराधिकारियों में से एक हैं।

उन्होंने अन्नादुरई के कथन का जिक्र करते हुए कहा, हर कोई जानता है कि हम किसी भी धर्म के दुश्मन नहीं हैं। मैं धर्मों पर अन्ना की टिप्पणी बताना चाहूंगा जो आज भी प्रासंगिक है। अगर कोई धर्म लोगों को समानता की ओर ले जाता है और उन्हें भाईचारा सिखाता है, तो मैं भी एक अध्यात्मवादी हूं। अगर कोई धर्म लोगों को जातियों के नाम पर विभाजित करता है, अगर वह उन्हें अस्पृश्यता और गुलामी सिखाता है तो मैं ऐसे धर्म का विरोध करने वाला पहला व्यक्ति होऊंगा। उन्होंने कहा कि द्रमुक उन सभी धर्मों का सम्मान करती है जो सिखाते हैं कि हर कोई जन्म से समान होता है।

उन्होंने कहा, लेकिन प्रतीत होता है कि इनमें से किसी के बारे में उन्हें बिल्कुल भी समझ नहीं है। मोदी और उनके सहयोगी' संसदीय चुनावों का सामना करने के लिए पूरी तरह से इस तरह की बदनामी पर निर्भर हैं। मैं उनके लिए केवल खेद महसूस कर सकता हूं। पिछले

नौ वर्षों से मोदी कुछ नहीं कर रहे। कभी वह नोटबंदी करते हैं, झोपड़ियों को छिपाने के लिए दीवार बनाते हैं, नया संसद भवन बनाते हैं, वहां सेंगोल (राजदंड) खड़ा करते है, देश का नाम बदलकर खिलवाड़ करते हैं, सीमा पर खड़े होकर सफेद झंडा लहराते हैं।

उन्होंने पूछा, 'क्या पिछले नौ वर्षों में केंद्र सरकार की ओर से द्रमुक की पुधुमई पेन'' या मुख्यमंत्री नाश्ता योजना या कलैग्नार की महिला अधिकार योजना जैसी कोई प्रगतिशील योजना आई है? क्या उन्होंने मदुरै में एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) बनाया है? क्या उन्होंने कलैग्नार शताब्दी पुस्तकालय जैसी किसी ज्ञान मुहिम को आगे बढ़ाया है।'

उन्होंने कहा, 'भारत में मणिपुर के बारे में सवालों का सामना करने से डरकर वह अपने दोस्त (गौतम) अडाणी के साथ दुनिया भर में घूम रहे हैं। सच तो यह है कि लोगों की अज्ञानता ही उनकी नाटकीय राजनीति की पूंजी है।' उन्होंने आरोप लगाया, मोदी और उनके सहयोगी मणिपुर में भड़के दंगों में 250 से अधिक लोगों की हत्या और 7.5 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार समेत मुद्दों और तथ्यों से ध्यान भटकाने के लिए 'सनातन' धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए बहुत सारा काम है, जिसमें 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी भी शामिल है और उन्होंने उनसे उस पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने कहा, 'मैं सूचित करना चाहूंगा कि हमारे पार्टी अध्यक्ष (तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन) के मार्गदर्शन और हमारी पार्टी आलाकमान की सलाह पर मैं अपने खिलाफ दायर मामलों का कानूनी रूप से सामना करूंगा।'

सनातन धर्म पर टिप्पणी को लेकर हंगामे के बाद उत्तर प्रदेश के एक संत द्वारा उनके सिर पर 10 करोड़ रुपये का इनाम घोषित करने के बारे में उन्होंने कहा, ये संत ही हैं जिन्हें आज बहुत प्रचार की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'ऐसा ही एक संत सामने आया है और उसने मेरे सिर पर 10 करोड़ रुपये इनाम रखा है। मेरे सिर की कीमत से ज्यादा मुझे आश्चर्य इस बात पर है कि जिसने सब कुछ त्यागने का दावा किया है उसके पास 10 करोड़ रुपये कैसे हो सकते हैं। इसके अलावा प्रतीत होता है कि देश के विभिन्न थानों और माननीय अदालतों में मेरे खिलाफ शिकायतें दर्ज की जा रही हैं। इस स्थिति में मुझे बताया गया है कि हमारी पार्टी के सदस्य विभिन्न थानों में उस संत के खिलाफ शिकायतें दर्ज करा रहे हैं, उनके पुतले जला रहे हैं और निंदा वाले पोस्टर लगा रहे हैं, जिसने मुझे जलाने के अलावा जान से मारने की धमकी दी है।

उन्होंने कहा, 'हम दूसरों को शालीनता सिखाने वाले लोग हैं। हमारे नेताओं ने हमें यही सिखाया है। इसलिए मैं हमारे आंदोलन के साथियों से आग्रह करता हूं कि वे ऐसी चीजों से पूरी तरह बचें। इसके अलावा कई गतिविधियों से जुड़े कार्य और जनकार्य हमारा इंतजार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि दिवंगत करुणानिधि के शताब्दी समारोह के मौके पर मुख्यमंत्री एवं पार्टी अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने सरकार और पार्टी की ओर से कई काम सौंपे हैं। इसके अलावा युवा शाखा के दूसरे राज्य सम्मेलन, संसदीय चुनाव और कई अन्य चीजों के लिए काम करना होगा। उन्होंने कहा, जब इतना काम करना है, तो मैं अपने कैडरों से अनुरोध करता हूं कि वे उन कार्यों में शामिल न हों जो हमारा समय बर्बाद करते हैं जैसे संतों के खिलाफ मामले दर्ज करना, या उनके पुतले जलाना। मैं बताना चाहता हूं कि मैं हमारे पार्टी अध्यक्ष के मार्गदर्शन और हमारी पार्टी आलाकमान की सलाह पर अपने खिलाफ दायर मामलों का कानूनी रूप से सामना करूंगा।

उदयनिधि ने अपनी पार्टी के कट्टर प्रतिद्वंद्वी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) और उसके महासचिव एडप्पडी के. पलानीस्वामी पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा, जब हम विपक्ष में थे, तो हम चावल, किराने का सामान और सब्जियों सहित आवश्यक वस्तुओं को वितरित करने के लिए घर-घर जाते थे। तब अन्नाद्रमुक और भाजपा क्या कर रहे थे? वे घंटी बजाकर और दीपक जलाकर कोरोना वायरस को खत्म करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे।

उन्होंने कहा, हम आज सत्तारूढ़ दल हैं। आज भी हम कलैग्नार (दिवंगत एम करुणानिधि) की शताब्दी को सार्थक रूप से मनाने के लिए कल्याणकारी सहायता प्रदान करने के वास्ते घर-घर जा रहे हैं। दूसरी ओर अन्नाद्रमुक गीत-संगीत की पृष्ठभूमि में इमली चावल सम्मेलन आयोजित कर रही है...। उन्होंने कहा, 'पलानीस्वामी उनके हर इशारों पर नाच रहे हैं और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' जैसे मामलों पर उनका समर्थन कर रहे हैं।'

उदयनिधि ने सनातन धर्म के 'अमानवीय सिद्धांतों' के बारे में टिप्पणी की थी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सनातन धर्म के संबंध में तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन के विवादास्पद बयान को लेकर देशभर में मचे सियासी घमासान के बीच राज्य के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके बेटे ने इसके 'अमानवीय सिद्धांतों' के बारे में कुछ टिप्पणियां की थीं। स्टालिन ने साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) में दरार डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

स्टालिन ने एक बयान में कहा कि भाजपा समर्थित ताकतें दमनकारी सिद्धांत के विरुद्ध उदयनिधि के रुख को बर्दाश्त नहीं कर पा रही हैं और गलत विमर्श फैला रही हैं। बयान में कहा गया कि वे अरोप लगा रहे हैं कि उसने (उदयनिधि) सनातन विचारधारा वाले लोगों के जनसंहार का आह्वान किया है। स्टालिन ने आश्चर्य जताया कि प्रधनामंत्री तमिलनाडु के मंत्री को निशाना बनाने वालों में क्यों शामिल हो गए। उन्होंने कहा, 'उदयनिधि स्टालिन ने सनातन के अमानवीय सिद्धांतों के बारे में कुछ टिप्पणियां कीं थीं । उन्होंने सनातन सिद्धांतों पर अपने विचार व्यक्त किए जो अनुसूचित जातियों, जनजातियों और महिलाओं के खिलाफ भेदभाव करते हैं, उनका किसी भी धर्म या धार्मिक मान्यताओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था।'

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, 'भाजपा की ओर से पाली पोसी गई सोशल मीडिया भीड़ ने उत्तर के राज्यों में गलत बातें प्रचारित की हैं। हालांकि, मंत्री उदयनिधि ने न तो तमिल में और न ही अंग्रेजी भाषा में जनसंहार' शब्द का इस्तेमाल किया।' उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह और कई अन्य लोगों ने वही झूठ दोहराया और उदयनिधि की निंदा की। उदयनिधि के इनकार के बाद भी इन केंद्रीय मंत्रियों ने अपने बयान वापस नहीं लिए। मुख्यमंत्री ने कहा, 'राष्ट्रीय मीडिया से यह सुनना दिल तोड़नेवाला है कि प्रधानमंत्री ने मंत्रियों की बैठक में कहा कि उदयनिधि के बयान का उचित जवाब दिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री के पास किसी भी दावे या रिपोर्ट को सत्यापित करने के लिए सभी संसाधन हैं। तो क्या प्रधानमंत्री उदयनिधि के बारे में फैलाई गई झूठी बातों को जाने बिना बोल रहे हैं या सब जानते -बूझते हुए बोल रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में संसद में उनके कैबिनेट सहयोगी ई वी वेलु के बारे में, एक कथित वीडियो क्लिप के बारे में 'सच्चाई जाने बिना', कुछ बात की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन घटनाओं को देखते हुए ये प्रश्न उठते हैं कि क्या प्रधानमंत्री, जो अपने किसी भी वादे को पूरा करने में विफल रहे हैं, सनातन का हवाला देकर ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापक अनुभव और देश के प्रति अटूट प्रतिबद्धता वाले नेता राजनीतिक लाभ के लिए भाजपा की 'विभाजनकारी राजनीति' में शामिल होने से बचेंगे।

स्टालिन ने कहा, 'इसके बजाय, वे हमारे देश को भाजपा से बचाने के प्रयास तेज करेंगे।' उन्होंने कहा, 'जहां तक द्रमुक का सवाल है, हमारे आदर्श और लक्ष्य पारदर्शी एवं स्पष्ट हैं। हम एक कुल, एक ईश्वर और गरीबों की खुशी के लक्ष्य के तहत काम करते हैं। हमारे आंदोलन का उद्देश्य पिछड़ों, अति पिछड़ों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, महिलाओं और गरीबों का उत्थान करना है। यही कारण है कि तमिलनाडु के लोगों ने हमें छठवीं बार राज्य पर शासन करने की जिम्मेदारी सौंपी है।'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अपने मंत्रियों से कहा कि वे सनातन धर्म पर विपक्षी नेताओं की विवादास्पद टिप्पणियों का मजबूती से खंडन करें और उनका पर्दाफाश करें। प्रधानमंत्री ने सहस्राब्दियों से चले आ रहे सनातन धर्म के बारे में सकारात्मक बात की और मंत्रियों से विपक्षी नेताओं के बयानों का दृढ़ता से खंडन करने के लिए कहा।

कांग्रेस ने ए राजा की टिप्पणी से असहमति जताई, सर्वधर्म समभाव पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। कांग्रेस ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता ए राजा की सनातन धर्म से संबंधित कथित विवादित टिप्पणी से असहमति जताते हुए कहा कि वह सर्वधर्म समभाव में विश्वास करती है और विपक्षी गठबंधन इंडिया' के सभी घटक दल सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। लोकसभा सदस्य राजा ने सनातन धर्म की तुलना कथित तौर पर एचआईवी और कुष्ट रोग से की है। इससे पहले, उनकी ही पार्टी के नेता उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म के बारे में विवादित बयान दिया था।

द्रमुक सांसद राजा की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, हम स्पष्ट रूप से पहले भी कह चुके हैं और फिर दोहरा रहे हैं कि हम इस तरह की टिप्पणियों के साथ नहीं हैं। कांग्रेस का हर धर्म और सोच को साथ लेकर चलने का इतिहास रहा है। हम सर्वधर्म समभाव में विश्वास करते हैं। कांग्रेस समझती है कि यह देश सतरंगी देश है जहां सबका एक स्थान है। किसी को कम दिखाना और किसी को ज्यादा दिखाना, न तो संविधान इसकी अनुमति देता है, न ही कांग्रेस की ऐसी परंपरा है। इसलिए हम ऐसी टिप्पणियों से सहमत नहीं हैं।

उनका कहना था, 'अगर आप कांग्रेस का इतिहास जानते होंगे तो यह जरूर मानेंगे कि हमने हमेशा यही रुख रखा है। यही सिद्धांत संविधान सभा की चर्चा में था और संविधान में भी यही निहित है।' खेड़ा ने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया' का हर घटक सभी धर्मों का सम्मान करता है।

द्रमुक को तमिलनाडु से उखाड़ फेंकने की जरूरत : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने सनातन धर्म का दृढ़ता से बचाव करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) एक जातिवादी पार्टी है और इसे खत्म किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने द्रमुक के दलित उत्थान को लेकर सवाल भी उठाया। उन्होंने द्रमुक को डेंगू मलेरिया कोसु (मच्छर) करार देते हुए कहा कि इसके 'उन्मूलन' की जरूरत है।

अन्नामलाई ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उनके बेटे उदयनिधि के बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों की सनातन धर्म के खिलाफ बयानबाजी में कमी आई है और यह अच्छा है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो पोस्ट किया और कहा, आप दोनों जानते हैं कि आप पिछले 3-4 दिन से एक हारी हुई लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने स्टालिन और उदयनिधि पर झूठ बोलने का आरोप लगाया।

अन्नामलाई ने कहा, अगर तमिलनाडु से किसी चीज को खत्म

करने की जरूरत है, तो वह द्रमुक है, जिसमें डी का अर्थ डेंगू, एम का मलेरिया और के का कोसु (मच्छर) है। अन्नामलाई ने कहा कि स्टालिन ने दावा किया था कि सनातन धर्म अनिवार्य तौर पर भेदभाव करता है और इसीलिए द्रविड आंदोलन की शुरुआत हुई थी। प्रतिष्ठित तमिल दलित नेता एम सी राजा के दौर का उल्लेख करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने 1923 में उन्होंने यह कहते हुए जस्टिस पार्टी छोड़ दी थी कि ब्राह्मणवादी वर्चस्व की जगह ऊंची जाति के हिंदुओं ने ले ली है और संगठन में अनुसूचित जाति के नेताओं के लिए कोई जगह नहीं बची है। जिन सिद्धांतों पर जस्टिस पार्टी का गठन किया गया उनका पालन नहीं किया जा रहा। तमिलनाडु की पहली महिला दलित मंत्री सत्यवाणी मुथु, जो दिवंगत एम करुणानिधि के नेतृत्व वाली डीएमके कैबिनेट का हिस्सा थीं, ने 1974 में विधानसभा के अंदर मुख्यमंत्री के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए। अन्नामलाई ने दावा किया कि ये ऐसे उदाहरण हैं जिनसे पता चलता है कि डीएमके के अंदर दलित नेताओं के साथ कैसा व्यवहार किया जाता था। उन्होंने कहा 'जब आप कहते हैं कि आप यहां सनातन धर्म की कुछ बुराइयों को खत्म करने और समानता को बढ़ावा देने के लिए आए हैं, तो यह शैतान द्वारा धर्मग्रंथों का हवाला देने जैसा है।' तमिलनाडु मंत्रिमंडल का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 35 मंत्रियों में से तीन अनुसूचित समुदाय से हैं, दो महिलाएं हैं और आप इसे प्रगतिशील कहते हैं?

श्रद्धांजलि — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में गुरुवार को अभिनेता डॉ. सत्यराज से उनके आवास पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मुलाकात की। उन्होंने उनकी मां के भावचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी, जिनका हाल में निधन हो गया था।

एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या के मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुपुर में एक परिवार के चार सदस्यों की हत्या के मुख्य आरोपी को पुलिस ने गुरुवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। तिरुपुर पुलिस टीम को मुख्य आरोपी वेंकटेश की लोकेशन तिरुनेलवेली में मिली थी। पुलिस के मुताबिक वेंकटेश ने स्पेशल पुलिस टीम पर गीली मिट्टी फेंककर भागने की कोशिश की. पुलिस ने उसके पैरों पर गोली चलाई और फिर उसे हिरासत में ले लिया। अब उन्हें कोयंबटूर सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

रविवार को, सेंथिलकुमार (47), मां पुष्पावती (68), चाची रत्नम्मा (58) और उनके चचेरे भाई और स्थानीय भाजपा नेता, मोहनराज (46) की कथित तौर पर वेंकटेश और उसके साथियों ने हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि वेंकटेश सेंथिलकुमार के यहां ड्राइवर था और कुछ महीने पहले उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया था। वह रोजाना सेंथिल के घर के रास्ते में दोस्तों के साथ शराब पीता था।

तमिलनाडु में भाजपा आईटी सेल के प्रमुख के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली शहर की पुलिस ने सनातन घर्म पर तमिलनाडु के युवा कल्याण एवं खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणियों को कथित रूप से तोड़-मरोड़कर पेश करने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल के राष्ट्रीय संयोजक अमित मालवीय के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मालवीय ने हाल ही में एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि श्री उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना मलेरिया और डेंगू से की है और उनका मानना है कि सनातन धर्म को समाप्त कर देना चाहिए न कि केवल इसका विरोध करना चाहिए। संक्षेप में, वह (उदयनिधि) सनातन धर्म का पालन करने वाली भारत की 80 प्रतिशत आबादी के नरसंहार की बात कर रहे हैं।

तिरुचिरापल्ली दक्षिण जिले में द्रमुक अधिवक्ता शाखा के आयोजक के. ए. वी. दिनाकरन ने तिरुचिरापल्ली के पुलिस आयुक्त से की गई शिकायत में कहा कि श्री उदयनिधि ने सनातन धर्म पर अपनी टिप्पणी पर स्पष्टीकरण दे दिया है इसके बावजूद भाजपा नेता ने दो समूहों के बीच हिंसा और घृणा भड़काने, सांप्रदायिक सद्भाव को कमजोर करने और राजनीतिक उद्देश्य के लिए जानबूझकर उनके भाषण को तोड़-मरोड़कर पेश किया। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को कहा कि उनकी शिकायत के आधार पर शहर की अपराध शाखा पुलिस ने श्री मालवीय के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153, 153 (ए), 504, 505 (1) (बी) के अंतर्गत मामला दर्ज किया है।

इस बीच, मदुरै साइबर अपराध शाखा पुलिस ने अयोध्या के तपस्वी छावनी मंदिर के मुख्य पुजारी संत रामचंद्र दास परमहंस आचार्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिन्होंने विवादास्पद टिप्पणी के लिए श्री उदयनिधि का सिर कलम करने वाले को 10 करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की थी।

पुलिस ने द्रमुक अधिवक्ता शाखा के समन्वयक जे. देवसेनन की शिकायत के आधार पर संत रामचंद्र के खिलाफ आईपीसी की धारा 153, 153 ए (1) (ए), 504, 505 (1) (बी), 505 (2) और 506 (2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने एक पत्रकार पीयूष राय के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है, जिन्होंने श्री उदयनिधि को जान से मारने की धमकी देने वाले संत का वीडियो साझा किया था।

उदयनिधि, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन के बेटे हैं और उन्होंने हिंदुओं के धार्मिक विश्वास सनातन धर्म की तुलना तथाकथित रूप से डेंगू और मलेरिया से करके एक बड़े राजनीतिक विवाद को जन्म दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि इसे बीमारियों की तरह ही खत्म कर देना चाहिए। एक ओर भाजपा, अन्नाद्रमुक, तमिल मनीला कांग्रेस, पुथिया तमिलगम और हिंदुवादी समूहों ने उनकी इस टिप्पणी की कड़ी निंदा की है, जबकि दुसरी द्रमुक और उसके सहयोगियों ने उनकी टिप्पणियों का समर्थन किया है। हालांकि, नए विपक्षी गठबंधन आई.एन.डी.आई.ए में शामिल कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना और आम आदमी पार्टी जैसी पार्टियों ने सनातन धर्म पर अपने सहयोगी द्रमुक के रुख से खुद को अलग कर लिया है।

तमिलनाडु के 10 मछुआरों को तटरक्षक ने बचाया

चेन्नई/विशाखापत्तनम। बंगाल की खाड़ी में छह दिन से फंसे तमिलनाडु के 10 मछुआरों को भारतीय तटरक्षक द्वारा बचा लिया गया। दरअसल खाड़ी में उनकी नाव टूट गई थी, जिसकी वजह से मछुआरे वहां फंस गए थे। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आईसीजीएस आयुष ने इस बंदरगाह शहर के 83 मील पूर्व से उन्हें बचाया।

बचाव अभियान के बारे में अधिकारी ने बताया, 'चेन्नई से संबंधित नाव में 10 मछुआरे थे। हमारे जहाजों में से एक आयुष तटीय गश्त पर था और हमें सूचना प्राप्त हुई, जिसके बाद हमने जहाज को नाव की ओर मोड़ दिया।' अधिकारी ने बताया कि तटरक्षक जहाज, फंसी हुई नाव से करीब 90 मील दूर था। जहाज मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात साढ़े तीन बजे वहां पहुंचा। तटरक्षक बल ने नाव की पहचान आईएफबी गणपति पेरुमल (मंजू माथा) के रूप में की, जो 24 अगस्त को चेन्नई के कासिमेडु बंदरगाह से समुद्र में गई थी।

अशोक लेलेंड का लक्ष्य दुनिया की शीर्ष 10 वाणिज्यिक वाहन कंपनियों में शामिल होना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लेलेंड ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसका लक्ष्य निकट भविष्य में दुनिया की शीर्ष 10 वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता कंपनियों में शामिल होना है। कंपनी के चेयरमैन धीरज हिंदुजा के अनुसार, भारी वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी नए बाजारों में संभावनाएं तलाश रही है। अशोक लेलेंड का मुख्यालय चेन्नई में है। कंपनी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर शीर्ष अधिकारी शहर में आए थे।

हिंदुजा ने बताया, हमारा लक्ष्य स्पष्ट है और हमने इसपर कई बार चर्चा की है कि हमें वैश्विक स्तर पर 10 सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन कंपनियों में शामिल होना है। फिलहाल, हम 20वें स्थान पर हैं। इसे समझाते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी की बिक्री मात्रा भारतीय बाजार में बढ़ रही है और अशोक लेलेंड द्वारा विकसित अवतार' एक मॉड्यूलर उत्पाद है, जिसे अंतरराष्ट्रीय बाजार के हिसाब से तैयार किया गया है। हिंदुजा ने कहा, हमारे लिए भारत के बाहर सही नेटवर्क बनाना, उन बाजारों में उचित वितरक ढूंढना महत्वपूर्ण है जहां हम अभी मौजूद नहीं हैं। कंपनी ने पिछले 16 माह में अफ्रीकी बाजार में 13 वितरकों को नियुक्त किया है, जिनमें से कुछ के पास अपनी स्वयं की असेंबली सुविधा है। उन्होंने कहा, हम लगातार नए बाजार तलाश रहे हैं। कंपनी द्वारा दी जाने वालीं सेवाओं पर अशोक लेलेंड के प्रबंध निदेशक (एमडी) और सीईओ शेनू अग्रवाल ने कहा कि कंपनी द्वारा विकसित देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन बस दिसंबर तक सड़कों पर आ जाएगी। सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी के लिए हाइड्रोजन ईंधन बस विकसित करने के संबंध में उन्होंने कहा, यह देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन बस होगी।

'परम हितैषी' पत्रिका ने मनाया रजत जयंती समारोह

स्मृति चिह्न भेंट कर प्रतिभाओं को किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। देशभर में पढ़ी जाने वाली, सीकर राजस्थान से प्रकाशित परम हितैषी मासिक पत्रिका का 25 वां स्थापना दिवस स्थानीय परशुराम भवन में हर्षोल्लास से मनाया गया। आरंभ में मंचस्थ शारदापीठ देवनगरी तिगरिया के पीठाधीश्वर स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती, पलसाना के निम्बार्क रत्न महंत मनोहर शरण दास महाराज, वरिष्ठ पत्रकार होलाश तिवाड़ी, खांडल सेवा संस्थान के अध्यक्ष रामकिशन जोशी, खांडल विप्र कर्मचारी समाज राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष महेश शर्मा, जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक पूर्णमल वर्मा, खांडल समाज महाराष्ट्र के संगठन सचिव विनीत वशिष्ठ आदि ने दीप प्रज्वलित कर गरिमामय समारोह का शुभारंभ किया। मोहित शर्मा एवं अभिलाषा शर्मा ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर कक्षा दसवीं एवं बारहवीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले 85 नौनिहालों को सम्मानित किया गया। परम हितैषी के संपादक रामगोपाल सुंदरिया ने अतिथियों का परिचय देते हुए पत्रिका के 25 वर्षों के सफर के बारे में बताया। मंचस्थ अतिथियों ने अपने उद्बोधन में परम हितैषी के बारे में अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर खेल जगत की प्रतिभाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली सर्वसमाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सीकर के पूर्व विधायक रतन जलधारी एवं वॉलीबॉल में अर्जुन पुरस्कार प्राप्त टाइगर सुरेश मिश्रा का विशेष सम्मान किया गया।

समारोह में परम हितैषी परिवार के विष्णु सुंदरिया, विनोद चोटिया, दिनेश बोचीवाल, राजेंद्र मंगलहारा, गिरधारीलाल डीडवानिया, सत्यनारायण पटेल, सौरभ सुंदरिया, जयशंकर जोशी, सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं बच्चे उपस्थित थे।उप-संपादक प्रदीप दाधीच ने आभार व्यक्त किया। संचालन रतन बणसिया ने किया।

कोटा में खुदकुशी का मामला

विशेषज्ञों ने कोचिंग संस्थान से बैच को विभाजित न करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में विद्यार्थियों की खुदकुशी की बढ़ती घटनाओं के बीच विशेषज्ञों ने कोचिंग संस्थानों को चेताया है कि वे 'स्टार' 'लीडर', 'ड्रॉपर', 'अचीवर', 'रिपीटर' या 'एन्थूज़ीऐस्ट' बैच को अलग अलग करने के चलन को खत्म करें। तथाकथित कोटा फैक्ट्री छात्रों में तनाव पैदा करने वाले विभिन्न कारकों को लेकर बहस का केंद्र बन गई है। विद्यार्थी तनाव के कारण अपनी जान देने जैसे कदम उठा रहे हैं। जिला प्रशासन और मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों के मुताबिक, विद्यार्थियों के बैच को विभाजित करने का चलन अन्य विद्यार्थियों का मनोबल तोड़ता है और अक्सर उन्हें असफल होने का एहसास कराता है। जिला कलेक्टर ओपी बुनकर ने बताया कि कोचिंग संस्थानों को बैच पृथककरण के खिलाफ सलाह दी जा रही है।

उन्होंने कहा, विद्यार्थी कोई वस्तु नहीं हैं जो उन्हें अलग अलग किया जाए। हर छात्र की अलग जरूरत होती है और उन्हें अलग करने का मतलब उनपर लेबल लगाने जैसा है और यह उन्हें एक दूसरे से फायदा उठाने की बहुत कम गुंजाइश देता है। सभी कोचिंग संस्थानों में 'स्टार बैच' को सर्वश्रेष्ठ बैच माना जाता है जिनमें अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी शामिल होते हैं। कोचिंग संस्थानों के लिए 'स्टार बैच' उनके आगे के व्यवसाय की कुंजी भी होता है। 'रिपीटर' और 'ड्रॉपर' बैच में वे छात्र शामिल होते हैं जिन्होंने पहले परीक्षाएं दी होती हैं और किन्हीं वजहों से वह पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं। अचीवर' बैच में उन छात्रों को शामिल किया जाता है जिनमें अच्छा करने की क्षमताएं तो होती हैं लेकिन वे फिलहाल अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे होते हैं। वहीं 'एन्थूज़ीऐस्ट' बैच में वे छात्र होते हैं जिनमें अच्छा करने की इच्छा होती है लेकिन उपलब्धि हासिल करने के लिए उन्हें बहुत सुधार करना पड़ता है। इंजीनियरिंग के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सालाना ढाई लाख से अधिक विद्यार्थी कोटा आते हैं।

साल 2023 में सबसे ज्यादा संख्या में विद्यार्थियों ने खुदकुशी की है। अबतक 22 विद्यार्थी अपनी जान दे चुके हैं और उनमें से दो ने 27 अगस्त को कुछ घंटे के अंदर ही आत्महत्या कर ली थी। पिछले साल आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 27 थी। विद्यार्थी व्यस्त कार्यक्रम, जबर्दस्त प्रतिस्पर्धा और लंबे वक्त तक घर से दूर रहने के कारण उदासी समेत अन्य कारकों से जूझते हैं। कोचिंग संस्थानों का तर्क है कि बैच का विभाजन करने से उन्हें विभिन्न प्रकार के शिक्षक उपलब्ध कराने और समूह की आवश्यकताओं के अनुसार रणनीतियों को अपनाने में मदद मिलती है, जबकि मनोवैज्ञानिकों का इस पर एक अलग दृष्टिकोण है और वे कहते हैं कि कम अंक हासिल करने वालों और शीर्ष अंक हासिल करने वालों का वर्गीकरण विद्यार्थियों के लिए चीज़ों को मुश्किल बनाता है।

भाजपा जनता को न्याय दिलाने के लिए संकल्पबद्ध : सीपी जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के चारों रथ प्रदेश के चारों कोनो में चल रहे हैं। प्रदेशभर में यात्रा को जनता का अपार स्नेह और जनसमर्थन मिल रहा है। स्वागत समारोह के साथ ही सभाओं का आयोजन भी हो रहा है। गुरुवार को दूसरी परिवर्तन यात्रा का रथ उदयपुर देहात की खेरवाडा विधानसभा में पहुंचा, जहां बलवाडा पंचायत समिति के खानपुर गांव में आमसभा को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने संबोधित किया। तीसरी रथयात्रा बाडमेर के बायतु पहुंची जहां आमसभा को केंद्रीय कानून राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और कैलाश चौधरी ने संबोधित किया। वहीं चौथी यात्रा का रथ श्रीगंगानगर के पदमपुर पहुंचा जहां धानमंडी में एक आमसभा का आयोजन किया गया। सभा को नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया और पूर्व मंत्री सुरेन्द्र पाल टीटी ने संबोधित किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने उदयुपर देहात की खेरवाडा विधानसभा के खानपुर गांव में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के राज में जनता के साथ अन्याय हुआ है। महिलाओं और दलितों के ऊपर अत्याचार हो या युवाओं और किसानों से वादाखिलाफी हर मोर्चे पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने जनता को निराशा किया है। भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता होने के नाते आपको विश्वास दिलाता हूं कि, भारतीय जनता पार्टी की सरकार आएगी और जनता के साथ जो अन्याय हुआ है उस जनता को न्याय दिलाने के लिए हम जनता के साथ खड़े हैं। मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार में ही पहली बार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गांवो को पक्की सडकों से जोडा गया था। किसानों के लिए पहली बार किसान क्रेडिट कार्ड की योजना भी भाजपा ही लाई थी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ईमानदारी से बताना कि प्रधानमंत्री मोदी के आने के बाद जनधन योजना में सबका खाता खुला कि नहीं , उज्ज्वला योजना का लाभ हर वर्ग को मिला या नहीं? स्वच्छता अभियान के तहत हर घर में शौचालय बना कि नहीं ?

राजस्थान में तीन सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत

जयपुर।। राजस्थान में तीन अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 13 अन्य लोग घायल हो गये हैं। पुलिस ने बताया कि दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार तड़के पाडली रोड पर एक मिनी बस को पीछे से आ रहे एक ट्रेलर ने टक्कर मार दी जिससे दो लोगों की मौत हो गई जबकि 11 अन्य लोग घायल हो गये। उसने बताया कि मृतकों की पहचान ममता वंशकार (24) और पवन शर्मा (27) के रूप में की गई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये। गंभीर रूप से घायल आठ लोगों को जयपुर रेफर किया गया है।

पुलिस ने बताया कि नागौर के जसवंतगढ़ थाना क्षेत्र के कसुम्बी फांटा के पास कल शाम दो कारों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दो अन्य लोग घायल हो गये। जसवंतगढ़ के थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि दोनों कारों की टक्कर में एक कार (स्विफ्ट) के चालक पूर्व सैनिक रविंद्र कुमार की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरी कार में चालक सहित दो लोग घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिये सुजानगढ़ भेजा गया था जहां से चिकित्सकों ने जोधपुर रेफर किया है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया ।

संतों ने विश्व को दिया एकता का संदेश : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि हमारे संत समाज ने सदियों से विश्व को शांति, सद्भाव और एकता का संदेश दिया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी इन्ही आदर्शों पर चलते हुए अहिंसा का मार्ग अपनाया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भी इसी भाव के साथ कार्य कर रही है। अनगढ़ धाम पर बन रहे अमरा भगत जी के पैनोरमा के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों को भी हमारे संतों के उच्च सिद्धांतों और अहिंसा के मौलिक धर्म की सीख मिलेगी।

गहलोत गुरूवार को चित्तौड़गढ के नरबदिया में सर्व समाज सनातन चातुर्मास विकास समिति और अमरा भगत सेवा संस्थान द्वारा आयोजित अमरा भगतजी के 181वें जन्मोत्सव तथा चातुर्मास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में 143 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गौशालाओं को 3 हजार करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया है जबकि पूर्ववर्ती राज्य सरकार द्वारा सिर्फ 500 करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया था। उन्होंने कहा कि नंदीशालाओं को 12 महीने का अनुदान भी हमारी सरकार द्वारा दिया जा रहा है। लंपी रोग के कारण मृत गायों के लिए पशुपालकों को प्रति गाय 40 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी गई। अब मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना के तहत प्रति परिवार दो दुधारू पशुओं का 40-40 हजार रुपए का निःशुल्क बीमा भी राज्य सरकार द्वारा करवाया जा रहा है। पशुपालकों को दूध पर 5 रुपए प्रति लीटर अनुदान दिया जा रहा है। ऐसी जनकल्याणकारी योजनाओं के परिणामस्वरूप पशुपालकों को प्रोत्साहन मिला है और इसी के चलते राजस्थान दुग्ध उत्पादन में पूरे देश में प्रथम स्थान पर आ गया है।

गहलोत ने कहा कि राजस्थान शिक्षा एवं स्वास्थ्य में अग्रणी बनकर उभरा है। राज्य में 303 नए कॉलेज खोले गए हैं, जिनमें 130 कन्या महाविद्यालय हैं। 500 से अधिक बालिकाओं की संख्या होने पर विद्यालय को महाविद्यालय में क्रमोन्नत करने का प्रावधान भी राज्य सरकार द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि आरटीएच के माध्यम से प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य का अधिकार दिया गया है। 25 लाख रुपए तक का निःशुल्क उपचार तथा 10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा भी राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा है। आज प्रदेश में ऑर्गन ट्रांसप्लांट जैसे महंगे उपचार भी चिरंजीवी योजना के माध्यम से निःशुल्क हो रहे हैं। इससे आमजन को बड़ी राहत मिली है।

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार की योजनओं से हर वर्ग लाभान्वित हुआ है। इंदिरा गांधी गैस सिलेण्डर सब्सिडी योजना के तहत 500 रुपए में गैस सिलेण्डर, घरेलू उपभोक्ताओं को निःशुल्क 100 यूनिट तथा कृषि उपभोक्ताओं को निःशुल्क 2000 यूनिट, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना में 125 दिवस तथा महात्मा गांधी नरेगा में 25 अतिरिक्त दिवस का रोजगार, लगभग 1 करोड़ लोगों को न्यूनतम 1 हजार रुपए प्रतिमाह सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए अलग से कृषि बजट पेश करने वाला राजस्थान अग्रणी राज्य है। राज्य सरकार मिशन मोड पर कार्य कर प्रत्येक प्रदेशवासी को योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। राजस्थान मिशन-2030 के तहत प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है।

देश को शांतिपूर्ण भविष्य की उम्मीद दी 'भारत जोड़ो यात्रा' ने : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' ने देश को शांतिपूर्ण भविष्य की उम्मीद दी और लोगों को प्रेम के सूत्र में पिरोया। गहलोत ने इस यात्रा की पहली वर्षगांठ पर यह बात कही। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, आज से एक साल पहले राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा निकाली। इस यात्रा ने भारत के लिए जो किया वह वास्तव में अद्वितीय और परिवर्तनकारी रहा। उन्होंने लिखा, इसने (भारत जोड़ो यात्रा) विभाजनकारी शक्तियों से जूझ रहे देश को एक नए शांतिपूर्ण भविष्य की आशा प्रदान की तथा प्रेम और एकता के धागे में पिरोया। लोग इस यात्रा का हिस्सा बनने के लिए उमड़ पड़े, क्योंकि पहली बार कोई प्रिय नेता उनके साथ चल रहा था, उनकी चिंताओं को सुन रहा था और उनके साथ खड़ा था।

गहलोत के अनुसार, आज हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान महंगाई, गिग वर्कर्स, सामाजिक सुरक्षा संबंधित जिन मुद्दों पर चर्चा हुई उनका सकारात्मक परिणाम निकला है। राजस्थान देश में सबसे सस्ते 500 रुपए के घरेलू गैस सिलेंडर, गिग वर्कर्स कानून व सामाजिक सुरक्षा की अभूतपूर्व योजनाओं से यात्रा के उद्देश्यों को सार्थक रूप से पूरा कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने लिखा, भारत जोड़ो यात्रा की वर्षगांठ पर मैं दृढ़ता से कह सकता हूं कि लोकतंत्र संरक्षण और जन कल्याण के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता पहले से कहीं अधिक मजबूत है। भारत जोड़ो यात्रा भारत को एकजुट करके रहेगी। यह यात्रा पिछले साल सात सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई और 30 जनवरी, 2023 को श्रीनगर में समाप्त हुई। यात्रा 145 दिन चली थी। राहुल गांधी ने पार्टी के कई नेताओं के साथ करीब 4,000 किलोमीटर से अधिक की यात्रा की थी और इस दौरान उन्होंने समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों से बातचीत की।

राजस्थान सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार आमजन को प्रतिबद्धता के साथ सुशासन देने की दिशा में कार्य कर रही है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क, सामाजिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जनहितैषी योजनाओं को पूर्ण रूप से धरातल पर उतारकर राज्य सरकार ने 'गुड गवर्नेन्स' (सुशासन) का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा आज राजस्थान की जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा देशभर में हो रही है। गहलोत भीलवाड़ा के गुलाबपुरा में भीलवाड़ा दुग्ध संघ के नवीन संयंत्र तथा अन्य विकास कार्यों के शिलान्यास-लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 931.92 करोड़ रुपये के 409 विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण और भीलवाड़ा डेयरी में 5 लाख लीटर क्षमता के नवीन संयंत्र का उद्घाटन किया।

गहलोत ने इस दौरान पशुधन सहायक का पदनाम पशुधन निरीक्षक करने, प्रथम श्रेणी के पशु चिकित्सा अधिकारियों को 5 हजार रुपये प्रतिमाह विशेष परियोजना भत्ता तथा पशुधन सहायक, पशुधन प्रसार अधिकारी का विशेष 'हार्ड ड्यूटी' भत्ता 500 रुपये किए जाने की घोषणा की।

अद्वैत को मिला 'लक्ष्मी कुमारी चूड़ावत बाल साहित्य पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी का जयपुर के जवाहर कला केन्द्र में वार्षिक समारोह का आयोजन कर सबसे कम उम्र के बाल साहित्यकार अद्वैत जिन्दल को लक्ष्मी कुमारी चूड़ावत बाल साहित्य पुरस्कार सहित विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष डॉ. राजीव अरोडा रहे जबकि कला संस्कृति विभाग की प्रमुख शासन सचिव डॉ. गायत्री राठौड़ विशेष अतिथि थी ।

समारोह में जयपुर के केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक एक के छात्र अद्वैत को उनके कहानी संग्रह ' तनव और चुलबुली कहानियां ' के लिए यह पुरस्कार दिया गया । अकादमी की ओर से राष्ट्रीय पं. नेहरू सम्मान से भोपाल के ख्याति प्राप्त लेखक पीयूष बबेले को नवाजा गया । राजस्थान के वरिष्ठ बाल साहित्यकार मनोहर वर्मा सम्मान जगदीश प्रसाद शर्मा गिलूण्ड को तथा लक्ष्मी नारायण रंगा सम्मान डॉ. आईदान सिंह भाटी को प्रदान किया गया। इस अवसर पर दीनदयाल शर्मा हनुमानगढ़, डॉ. भैंरू लाल गर्ग भीलवाड़ा, डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी लाड़नू , प्रभात सवाईमाधोपुर, तरूण दाधीच उदयपुर, डॉ. कृष्ण कुमार आशु गंगानगर को बाल साहित्य मनीषी सम्मान प्रदान किया गया ।

अदालत ने प्रवासी पक्षियों के आवास क्षेत्र में बिछाई जा रही बिजली लाइन पर राजस्थान सरकार से जवाब मांगा

जोधपुर।राजस्थान उच्च न्यायालय ने फलोदी जिले में प्रवासी पक्षी के आवास क्षेत्र में हाईटेंशन बिजली लाइन बिछाने को चुनौती देने संबंधी याचिका पर राज्य सरकार और 'पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया' से जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश एजी मसीह और न्यायमूर्ति विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने नोटिस जारी कर राज्य सरकार और बिजली कंपनी से दो सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। याचिका के अनुसार, कुरजां के नाम से जाने जानी वाली डेमोइसेल सारस कई वर्षों से हर सर्दियों में फलोदी के खींचन क्षेत्र में हजारों किलोमीटर की दूरी तय करके आती है। इसमें कहा गया है कि प्रवासी पक्षियों के लिए आवास को सुरक्षित रखने के लिए उच्च न्यायालय ने पहले की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से आश्वासन लिया था कि पक्षियों के विचरण के क्षेत्र में बिजली लाइनें नहीं बिछाई जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने सांवलिया सेठ के दर्शन कर की प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चित्तौड़गढ़ जिले के मंडफिया में श्री सांवलिया सेठ के दर्शन किए और प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। उन्होंने मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल के अध्यक्ष श्री भैरूलाल गुर्जर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अभिषेक गोयल एवं सदस्यगणों द्वारा भगवान सांवलिया सेठ की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया गया। इस दौरान सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना, शिक्षा मंत्री बी.डी. कल्ला, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण बोर्ड के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत, पूर्व विधायक प्रकाश चौधरी, जिला कलक्टर पीयूष सामरिया, पुलिस अधीक्षक श्री राजन दुष्यंत सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राज्यपाल मिश्र ने प्रत्येक व्यक्ति तक शिक्षा का उजियारा पहुंचाने का आह्वान किया

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने देश और प्रदेशवासियों से अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस (8 सितम्बर) के अवसर पर प्रत्येक व्यक्ति तक शिक्षा का उजियारा पहुंचाने के लिए काम करने का आह्वान किया है। राजभवन के बयान के अनुसार, मिश्र ने इस उद्देश्य के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया है। मिश्र ने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता, सतत शिक्षा, जीवन कौशल, व्यावसायिक कौशल सहित नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के सभी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए समन्वित और समग्र प्रयास किए जाने पर बल दिया है।

भारत के नेतृत्व में जी-20 सम्मेलन से जलवायु और ऊर्जा के मुद्दे पर सकारात्मक नतीजे की उम्मीद

नई दिल्ली/भाषा। नई दिल्ली में इस सप्ताहांत होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए विश्व के कई नेताओं के आने का क्रम शुरू होने के बीच विशेषज्ञों ने बृहस्पतिवार को कहा कि बहुपक्षीय विकास बैंक (एमडीबी) सुधारों पर आम सहमति बनने और जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को चरणबद्ध तरीके से कम करने को लेकर कठोर भाषा में प्रस्ताव अंगीकार करने से भारत की नेतृत्व भूमिका बढ़ सकती है। जी-20 सदस्य देशों का दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)में 85 प्रतिशत, ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 80 प्रतिशत योगदान है। जी-20 देशों ऊर्जा मंत्रियों की जुलाई में हुई बैठक में जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा को तीन गुना करने पर आम सहमति नहीं बन सकी थी। उल्लेखनीय है कि 2030 तक अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता तीन गुना बढ़ाकर 11 टेरावाट करना और विकासशील देशों को कम ब्याज दर पर वित्तपोषण करना वैश्विक औसत तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

महिला और पुरुष के लिए क्रूरता का अर्थ अलग-अलग हो सकता है: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि महिला और पुरुष के लिए क्रूरता का अर्थ अलग-अलग हो सकता है तथा अदालतों को उन मामलों में व्यापक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जिनमें पत्नी तलाक चाहती है। न्यायालय ने कहा कि किसी मामले में एक महिला के लिए जो क्रूरता है वह एक पुरुष के लिए क्रूरता नहीं हो सकती और जब कोई अदालत इस तरह के मामले की सुनवाई करती है जिसमें पत्नी तलाक चाहती है, तो व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता होती है। इसने महिला को तलाक की डिक्री देते हुए यह टिप्पणी की।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश की पीठ ने कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 13(1)(आईए) के तहत 'क्रूरता' शब्द का कोई निश्चित अर्थ नहीं है, इसलिए यह न्यायालय को इसे ''उदारतापूर्वक और प्रासंगिक रूप से'' लागू करने का व्यापक दृष्टिकोण देता है। पीठ ने कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 13(1) और 13(1ए) तलाक देने के लिए क्रूरता सहित विभिन्न आधार प्रदान करती है। इसने कहा कि एक के लिए जो क्रूरता है, वह दूसरे के लिए समान नहीं हो सकती। पीठ ने कहा, ''इसलिए, किसी मामले में एक महिला के लिए जो क्रूरता है वह एक पुरुष के लिए क्रूरता नहीं हो सकती, और जब हम उस मामले से निपटते हैं जिसमें कोई पत्नी तलाक चाहती है तो अपेक्षाकृत अधिक लचीलापूर्ण और व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता होती है।'' बुधवार को फैसला सुनाने वाली पीठ ने महिला की ओर से पेश वकील दुष्यन्त पाराशर की दलील पर गौर किया, जिसमें क्रूरता के आधार पर तलाक का अनुरोध किया गया था और दावा किया गया था कि उसके पति ने उसके चरित्र पर संदेह जताया।

उप्र : केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के बेटे की पिस्तौल का लाइसेंस रद्द

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के बेटे विकास किशोर की पिस्तौल का हत्या के एक मामले में इस्तेमाल होने की बात सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया है। केन्द्रीय आवास एवं नगरीय विकास राज्यमंत्री कौशल किशोर के घर पर एक सितंबर को 30 वर्षीय व्यक्ति की हत्या में विकास किशोर के नाम पर पंजीकृत पिस्तौल का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस ने हथियार बरामद कर लिया था और विकास के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए उसके लाइसेंस को रद्द करने के लिए जिलाधिकारी को रिपोर्ट भेजी थी। पुलिस रिपोर्ट की समीक्षा के बाद लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने विकास किशोर का शस्त्र लाइसेंस बुधवार को रद्द कर दिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी पुष्टि की।

नोएडा : 2017 में हुए दोहरे हत्याकांड के दोषियों को उम्रकैद

नोएडा/भाषा। थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के बरौला गांव में वर्ष 2017 में हुए दोहरे हत्याकांड के आरोपियों को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपियों के खिलाफ अर्थ दंड भी लगाया है। जनपद गौतमबुद्ध नगर अदालत के सहायक शासकीय अधिवक्ता नितिन त्यागी ने बताया कि बरौला गांव निवासी रमेश कुमार शर्मा ने सेक्टर 49 पुलिस थाने में वर्ष 2017 में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके भतीजों उमेश और योगेश की हत्या कर दी गई है। उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर 2017 की रात 9 बजे उनके भतीजे उमेश और योगेश किसी काम से कल्याण कुंज कॉलोनी जा रहे थे। उन्होंने कहा कि बरौला पहुंचने पर गुलशन उर्फ गुल्लू, जितेंद्र उर्फ जुता और उनके पिता ओमकार ने अपने साथियों के साथ मिलकर उमेश व योगेश पर चाकू से हमला कर दिया। पुरानी रंजिश में किये गये इस हमले में उमेश और योगेश की मौत हो गई। त्यागी ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। उन्होंने बताया कि मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम रण विजय प्रताप सिंह की अदालत में चल रही थी।

ओडिशा नौ नवंबर को मोटे अनाज पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार नौ और 10 नवंबर को मोटे अनाज पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करेगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान आठ लाख क्विंटल रागी खरीदने का लक्ष्य भी रखा है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन मोटे अनाज और इसके उत्पादों को बढ़ावा देने तथा मोटे अनाज आधारित उत्पादों के विपणन और निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है, जिसमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आईसीडीएस, मध्याह्न भोजन, छात्रावास और अन्यत्र मोटे अनाज को भोजन के रूप में शामिल करने के कदम शामिल हैं। सम्मेलन से मोटे अनाज को खेल से जोड़ने और सभी खेल छात्रावासों में मोटे अनाज को शामिल करने, स्कूलों, होटलों, अस्पतालों और मशहूर हस्तियों को मोटे अनाज के उपयोग और प्रचार में शामिल करने, मोटे अनाज और हरित निवेश को जोड़ने तथा इस उद्देश्य के लिए ओडिशा मोटा अनाज अभियान में निवेश की फिर से खोज करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

ओडिशा में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में राजधानी भुवनेश्वर समेत कुछ हिस्सों में बृहस्पतिवार को भारी बारिश हुई, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि भारी बारिश दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता और चक्रवाती परिसंचरण के कारण हुई है तथा दिन में ऐसी ही बारिश होने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने कहा कि दिन के दौरान भारी बारिश के कारण भुवनेश्वर और कटक में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ क्योंकि दोपहर में लगभग तीन घंटे तक बारिश जारी रही जिससे कार्यालय जाने वाले लोगों और छात्रों को काफी परेशानी हुई और ज्यादातर निचले इलाकों में पानी भर गया।

स्थानीय मौसम कार्यालय ने बताया कि मानसून के इस मौसम में सात सितंबर तक सामान्य 984.9 मिमी के मुकाबले 867.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई। कार्यालय ने बताया कि 10 जिलों में कम बारिश हुई, वहीं ओडिशा के बाकी 20 जिलों में सामान्य बारिश हुई है।

भुवनेश्वर के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, ''कटक, अंगुल, क्योंझर, ढेंकनाल, देवगढ़, जटसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, बौध, कालाहांडी, नुआपाड़ा और जाजपुर के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी है।''

आईएमडी के बुलेटिन के अनुसार संबलपुर, झारसुगुड़ा, सुंदरगढ़ और बरगढ़ जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

बुलेटिन के अनुसार, शुक्रवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक मलकानगिरि, कोरापुट, रायगड़ा, गजपति, नवरंगपुर, नुआपाड़ा, कालाहांडी, बोलांगीर, सोनपुर, बौध, देवगढ़, अंगुल, क्योंझर और मयूरभंज जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान है।

इसके अनुसार, शनिवार को क्योंझर, मयूरभंज, देवगढ़, अंगुल, कटक, ढेंकनाल जिलों में एक या दो स्थानों पर 'येलो' अलर्ट भी जारी किया गया है।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि हालांकि शनिवार के बाद भारी बारिश की कोई चेतावनी नहीं दी गई है।

कान्हा की नगरी मथुरा में जन्माष्टमी की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। जन्माष्टमी के अवसर पर बृहस्पतिवार को कृष्ण नगरी मथुरा में वैदिक मंत्रोच्चार, शंख और घंटे की ध्वनि के बीच हजारों भक्त तीन प्रमुख मंदिरों में भगवान कृष्ण के अभिषेक समारोह के साक्षी बने।

राधा दामोदर मंदिर के पुजारी बलराम गोस्वामी ने बताया कि राधा रमण, राधा दामोदर और गोकुलानंद मंदिरों में अभिषेक समारोह किया गया। इन मंदिरों में आज सुबह भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। उन्होंने बताया कि जहां हर जगह जन्माष्टमी आधी रात के दौरान मनाई जाती है, वहीं इन मंदिरों में यह लगभग 500 साल पहले प्रसिद्ध संत जीव गोस्वामी द्वारा स्थापित परंपरा के अनुसार दिन के दौरान मनाई जाती है। पुजारी प्रशांत शाह ने कहा कि चूंकि वृन्दावन में शाह जी मंदिर, राधा रमण मंदिर में अपनाई जाने वाली परंपराओं के अनुसार सभी त्योहार मनाता है इसलिए यहां भी जन्माष्टमी सुबह मनाई गई।

मथुरा स्थित भगवान श्रीकृष्ण के कई अन्य मंदिरों में रात 12 बजे अभिषेक समारोह आयोजित किया जाएगा। पुजारी ने कहा कि भगवान कृष्ण के अभिषेक समारोह का चरणामृत (दूध, दही, घी, खांडसारी, शहद और कई जड़ी-बूटियों का मिश्रण) मंदिरों के सामने एकत्र हजारों भक्तों के बीच वितरित किया गया। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर दिन की शुरुआत शहनाई, शंख और ढोल बजाने के साथ हुई। इसके बाद भगवान का अभिषेक किया गया और फिर भक्तों के बीच चरणामृत का वितरण किया गया।

टूटी हुई सामूहिक चेतना को फिर से जोड़ने का एक ईमानदार प्रयास था 'भारत जोड़ो यात्रा' : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'भारत जोड़ो यात्रा' की पहली वर्षगांठ पर बृहस्पतिवार को कहा कि यह यात्रा देश की टूटी हुई सामूहिक चेतना को फिर से जोड़ने का एक ईमानदार प्रयास थी।

राहुल गांधी ने बीते बरस पार्टी के कई नेताओं के साथ करीब 4,000 किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्रा की थी और इस दौरान उन्होंने समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों से बातचीत की थी। यह यात्रा पिछले साल सात सितंबर को कन्याकुमारी से आरंभ हुई थी, जो इस वर्ष 30 जनवरी को श्रीनगर में समाप्त हुई थी। यह यात्रा 145 दिन चली थी।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि 'भारत जोड़ो यात्रा' एक राष्ट्रीय जन-आंदोलन है, जो इतिहास में अद्वितीय है। उन्होंने कहा, आज यात्रा के एक वर्ष पूरा होने पर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से मैं राहुल गांधी, सभी भारत यात्रियों और हमारे लाखों नागरिकों को बधाई देता हूँ जो इस यात्रा में शामिल हुए। उनके मुताबिक, कन्याकुमारी से कश्मीर तक, 'भारत जोड़ो यात्रा' ने 4000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की और जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों के साथ विविधता में एकता के लिए संवाद स्थापित किया। उन्होंने कहा, नफ़रत और विभाजन के एजेंडे को छिपाने के लिए, लोगों के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए, अप्रासंगिक सुर्खियां बनाने की प्रवृत्ति हमारी सामूहिक चेतना पर एक सोचा-समझा प्रहार है।

घोसी उपचुनाव में 'इंडिया' गठबंधन की जीत के साथ ही राजग में बिखराव शुरू हो जाएगा : जदयू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया (उत्तर प्रदेश)/भाषा। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की उत्तर प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष अवलेश सिंह ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि घोसी उपचुनाव का परिणाम आते ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से जुड़ी पार्टियों के टूटकर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव एलायंस) से जुड़ने सिलसिला शुरू हो जाएगा।

सिंह ने यहां जिला मुख्यालय पर संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि घोसी विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी और 'इंडिया' गठबंधन की जीत होगी। उन्होंने कहा कि इस उपचुनाव से भाजपा की विदाई का बिगुल बज चुका है और 2024 में सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है।

सिंह ने दावा किया कि घोसी उपचुनाव का नतीजा आते ही राजग के घटक दलों का टूट कर 'इंडिया'में शामिल होने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि 2024 में केन्द्र में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनते ही उत्तर प्रदेश में भी सत्ता परिवर्तन होगा, क्योंकि राज्य के सैकड़ों विधायक विपक्षी गठबंधन के सम्पर्क में हैं।

जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने पर समूचा विपक्ष एकजुट होगा। फिलहाल जो गैर-राजग दल 'इंडिया' से अलग हैं, वो भी चुनावी अधिसूचना जारी होने के बाद विपक्षी गठबंधन के साथ आ जाएंगे।

पश्चिम बंगाल के विश्वविद्यालयों को भ्रष्टाचार तथा हिंसा मुक्त बनाने की लड़ाई जारी रखूंगा : बोस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह राज्य के विश्वविद्यालयों को भ्रष्टाचार और हिंसा से मुक्त रखने की अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। राज्यपाल का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब राज्य के कुछ विश्वविद्यालयों में राज्यपाल की ओर से अंतरिम कुलपतियों की नियुक्तियों को लेकर राज्य सरकार तथा राजभवन के बीच तनातनी है।

राज्यपाल बोस ने कहा, ''मैं चाहता हूं कि राज्य के विश्वविद्यालय हिंसा मुक्त हों और देश में सर्वश्रेष्ठ हों।'' उन्होंने रवीन्द्र नाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और स्वामी विवेकानंद के नाम का उल्लेख करते हुए वादा किया कि वह ''भ्रष्टाचार मुक्त शिक्षा जगत'' के लिए लड़ाई जारी रखेंगे। अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति संबंधी राजभवन के हालिया कदम के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार की ओर से अतीत में की गईं नियुक्तियों के खिलाफ शीर्ष अदालत के फैसले के मद्देनजर मैंने अंतरिम कुलपतियों की नियुक्तियां कीं।'' उन्होंने दावा किया, ''पांच (अंतरिम) कुलपतियों को इस्तीफा देना पड़ा। क्यों? उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें गुंडों द्वारा धमकी दी जा रही थी, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी उन पर दबाव डाल रहे थे। यह बात (अंतरिम) कुलपतियों ने मुझे बताई। इसलिए उनमें से पांच ने इस्तीफा दे दिया। मैंने उनसे इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा। उन्होंने डर के कारण इस्तीफा दे दिया।''

मुंबई से बच्चे का अपहरण कर कोलकाता भाग रहे आरोपी को बुलढाणा में ट्रेन से दबोचा गया

मुंबई/भाषा। महिला से विवाद होने पर उसकी करीब साढ़े पांच साल की बच्ची का कथित तौर पर अपहरण कर ट्रेन से भाग रहे व्यक्ति को मुंबई पुलिस व जीआरपी ने संयुक्त कार्रवाई कर पकड़ लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान रोतिन घोष के तौर पर की गई है और बच्ची की मां मुंबई के कमाठीपुरा की रहने वाली है। बच्ची की मां के साथ आरोपी का पहले संबंध था लेकिन बाद में उनके बीच अनबन हो गई थी।

अधिकारी ने बताया, ''बच्ची की मां ने नागपड़ा पुलिस थाने में मंगलवार को बच्ची के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई। हमने घोष को पकड़ने के लिए छह टीम बनाई क्योंकि हमें आशंका थी कि वह बच्ची को लेकर शहर से भागने की केशिश करेगा।'' उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी से जानकारी मिली कि घोष नासिक में इगतपुरी के नजदीक है जिससे पुलिस ने अंदाजा लगाया कि वह किसी ट्रेन में सवार है और कोलकाता जा रहा है। अधिकारी ने बताया, ''हमने जीआरपी से अमृतसर एक्सप्रेस और हावड़ा एक्सप्रेस की जांच करने को कहा लेकिन उन्हें घोष या बच्ची नहीं मिली। हमें आरोपी का लोकेशन बुलढाणा में बोधवाड के पास शालीमार एक्सप्रेस में मिला।''

राजनीति आम आदमी की भलाई के लिए की जानी चाहिए : उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा है कि राजनीति आम आदमी और देश की भलाई के लिए की जानी चाहिए। न्यायालय ने कहा कि मौद्रिक और व्यक्तिगत लाभ हासिल करने के लिए लोगों के जीवन से खेलना न केवल सत्ता का दुरुपयोग है, बल्कि संवैधानिक आदर्शों के खिलाफ है।

न्यायमूर्ति एस. एम. सुब्रमण्यम ने आर. गिरिजा नामक महिला द्वारा दायर एक अवमानना याचिका पर हाल में एक आदेश में ये टिप्पणियां कीं। गिरिजा ने अपने किरायेदार एवं सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पदाधिकारी एस. रामलिंगम द्वारा अदालत के आदेश के बावजूद दस साल से अधिक समय से उनका मकान खाली करने से इनकार करने के बाद अदालत का दरवाजा खटखटाया था। न्यायाधीश ने कहा कि राजनीति से जुड़े लोग आम आदमी के जीवन में प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि एक नेता के शब्दों और कार्यों का उनके समर्थकों, पार्टी के लोगों और जनता पर प्रभाव पड़ता है।

न्यायाधीश ने कहा कि यह जरूरी है कि इस अधिकार का दुरुपयोग अवैध और व्यक्तिगत लाभ के लिए न किया जाये। न्यायाधीश ने कहा कि राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल केवल जनता के लाभ के लिए किया जाना चाहिए, न कि उनके नुकसान के लिए। न्याय़ाधीश ने कहा कि जब राजनीति के लोगों को आम जनता द्वारा ऐसी ताकत दी गई है, तो इसका इस्तेमाल सामाजिक रूप से लाभकारी मुद्दों के लिए किया जाना चाहिए, न कि स्वयं के लाभ के लिए। इससे पहले, जब मामला सुनवाई के लिए आया, तो पुलिस उपायुक्त (प्रशासन), ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने एक स्थिति रिपोर्ट दायर की जिसमें कहा गया कि इस अवमानना याचिका पर अदालत द्वारा एक सितंबर, 2023 को पारित आदेश का अनुपालन किया गया है।

किरायेदार को पहले ही बेदखल कर दिया गया है और पुलिस अधिकारियों ने खाली मकान मालकिन को सौंप दिया है। याचिकाकर्ता के वकील ने भी इस बात को स्वीकार किया। न्यायाधीश ने कहा कि वर्तमान अवमानना याचिका के मामले में बुजुर्ग महिला को पुलिस की सहायता से अदालत के जरिये किरायेदार से मकान खाली कराने में 12 साल लग गए। न्यायाधीश ने कहा कि कई वर्षों से किराया नहीं दिया गया है।

वन्य जीवों की तस्करी में लिप्त गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार, 500 संरक्षित तोते बरामद

प्रयागराज/भाषा। विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने संरक्षित वन्य जीवों की तस्करी में लिप्त अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सक्रिय सदस्यों को बृहस्पतिवार को कीडगंज थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से संरक्षित प्रजाति के 500 तोते और तस्करी में उपयोग की गई एक एर्टिगा कार बरामद की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक (एसटीएफ) नवेंदु कुमार ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि वन्य जीवों की तस्करी करने वाले गिरोह के तीन सदस्य संरक्षित प्रजाति के तोतों को प्रयागराज से लेकर वाराणसी की तरफ जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ की टीम ने बांगड़ धर्मशाला चौराहे के पास वाहनों की जांच शुरू की और इसी दौरान एर्टिगा कार के भीतर से उन्हें पांच पिंजड़ों और प्लास्टिक के थैलों में बांध कर रखे हुए तोते मिले।

'राष्ट्रीय शिविर में रुपिंदर के साथ अभ्यास करने से एशियाई खेलों में मदद मिलेगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय महिला हॉकी टीम की पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ दीपिका का मानना है कि राष्ट्रीय शिविर में पूर्व ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह की देखरेख में अभ्यास करने से उन्हें आगामी एशियाई खेलों में मदद मिलेगी। उन्नीस वर्षीय दीपिका भारतीय टीम में शामिल तीन ड्रैग फ्लिकर में से एक है। उन्होंने इस साल के शुरू में महिला जूनियर एशिया कप के छह मैचों में सात गोल किए थे। इनमें से चार गोल उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर पर किए थे। भारत ने यह टूर्नामेंट जीता था।

हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार दीपिका ने कहा,''हम पिछले कुछ दिनों से राष्ट्रीय शिविर में रूपिंदर पाल सिंह के साथ ड्रैग फ्लिक पर काम कर रहे हैं। वह हमें बता रहे हैं गेंद कब रोकनी है और उस पर कैसे शॉट जमाना है।'' उन्होंने कहा,'' इससे निश्चित तौर पर हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों के दौरान मैच की परिस्थितियों में मुझे मदद मिलेगी। मुझ पर किसी तरह का दबाव नहीं है और सभी खिलाड़ी मेरा उत्साह बढ़ा रहे हैं।''

दीपिका ने कहा कि उन्हें एशियाई खेलों के लिए टीम में जगह बनाने की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा,'' प्रत्येक खिलाड़ी एक स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहा था। मुझे टीम में जगह मिलने की उम्मीद नहीं थी और जब मेरा चयन किया गया तो मैं काफी उत्साहित थी। यह मेरा पहला बड़ा टूर्नामेंट होगा और मैं थोड़ा नर्वस थी लेकिन मुख्य कोच यानिक शोपमैन और सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा हौसला बढ़ाया।''

विकेट के आगे और पीछे अपने खेल से भारत के भरोसेमंद विकेटकीपर बल्लेबाज बने किशन

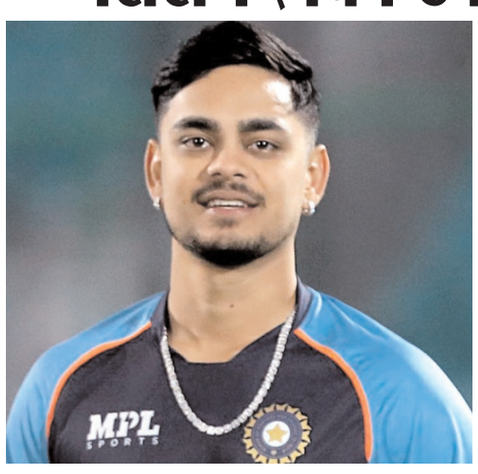

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। विकेट के आगे और विकेट के पीछे अपने शानदार प्रदर्शन से एक छोटे से गांव के रहने वाले ईशान किशन भारत के भरोसेमंद विकेटकीपर के रूप में उभरे हैं।

बाएं हाथ के बल्लेबाज किशन एक से लेकर पांचवें नंबर तक किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकते हैं और विकेटकीपर के रूप में हमेशा अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराते हैं। यही वजह है कि वह विश्व कप के लिए केएल राहुल के बाद दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर भारतीय टीम में शामिल हैं। किशन की यहां तक पहुंचने की यात्रा हालांकि आसान नहीं रही। वह क्रिकेट में बेहतर सुविधाएं हासिल करने के लिए पटना छोड़कर रांची में बस गए थे।

झारखंड के तेज गेंदबाज और किशन के दोस्त मोनू कुमार ने कहा,'' वह शुरू से ही 'फाइटर' रहा है तथा क्रिकेट में करियर बनाने को लेकर उसकी राय स्पष्ट थी। वह जहां अभ्यास करता था वह क्षेत्र महेंद्र सिंह धोनी के घर से बेहद करीब था और वह हमेशा माही भाई के नक्शे कदम पर चलना चाहता है तथा हमेशा उनके वीडियो देखता है।'' उन्होंने कहा,'' सौभाग्य से 2013 में जेएससीए स्टेडियम तैयार हो गया जिससे उसे अपने खेल को बेहतर बनाने में मदद मिली।''

सुविचार

जीतने वाले कुछ अलग चीज़े नहीं करते, बस वो चीज़ों को अलग तरीके से करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बोया पेड़ बबूल का तो ...

अगर कोई इस मंशा के साथ सांप पालता है कि वह उसके पड़ोसियों को डसेगा तो उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि एक दिन वह खुद भी उसका शिकार होगा। पाकिस्तान ने दशकों पहले जो आतंकवादी शिविर लगाए, कट्टरता का पाठ पढ़ाकर जहरीली पौध तैयार की, उसकी खतरनाक फसल इन दिनों खूब गुल खिला रही है। ऐसा होना ही था। उसके खैबर पख्तूनख्वा के चित्राल जिले में जो घमासान मचा है, हाल के वर्षों में उसकी कोई मिसाल नहीं मिलती। पाकिस्तान के पाले हुए आतंकवादियों ने उसकी ही फौज की पोस्ट पर धावा बोलते हुए चार जवानों को ढेर कर दिया, लेकिन आईएसपीआर के प्रवक्ता हकीकत बताने से कतरा रहे हैं। उधर, स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया पर बताया कि टीटीपी के आतंकवादियों ने चित्राल के कई गांवों पर कब्जा कर लिया है! कुछ लोगों ने तो यहां तक दावा किया कि जहां-जहां आतंकवादियों ने कब्जा किया, पुलिस और सुरक्षा बलों के जवान वहां से नौ-दो ग्यारह हो गए। अगर सच में ऐसा हुआ है तो यह पाकिस्तान सरकार, फौज और आईएसआई के लिए बहुत शर्मनाक है। क्या आप इतने बड़े-बड़े दावों के बावजूद अपने देश की संप्रभुता की रक्षा नहीं कर सकते? टीटीपी की ओर से यह पहला हमला नहीं है। पिछले साल नवंबर में इसके द्वारा पाक सरकार के साथ संघर्ष विराम समाप्त किए जाने के बाद हाल के महीनों में, विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलोचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में तेजी से उछाल आया है। इसका सबसे ज्यादा कहर फौज पर बरस रहा है। 22 अगस्त को दक्षिण वज़ीरिस्तान जिले में गोलीबारी में पाकिस्तान के छह जवान ढेर हो गए थे। इसी तरह पिछले महीने बलोचिस्तान के झोब और सुई इलाकों में मुठभेड़ की अलग-अलग घटनाओं में पाक फौज के 12 जवान ढेर हो गए थे। सत्य है, बोया पेड़ बबूल का तो आम कहां से होय!

पाकिस्तान सरकार, फौज और आईएसआई चित्राल जिले के गांवों पर टीटीपी के कब्जे को लेकर कुछ भी स्पष्ट कहने से बच रही हैं। अगर वे यह कहेंगी कि आतंकवादियों ने छोटे या बड़े भूभाग पर कब्जा कर लिया था तो लोगों का उन पर रहा-सहा विश्वास भी जाता रहेगा। अगर वे यह कहेंगी कि कोई कब्जा नहीं हुआ तो स्थानीय लोग सोशल मीडिया पर पोल खोल देंगे। लिहाजा चुप्पी साधे रखना ही बेहतर समझा। टीटीपी के इस हमले के गहरे मायने हैं। पाकिस्तान की सरकार और फौज भले ही अफगानिस्तान के साथ लगती सीमा को मान्यता दें, लेकिन तालिबान इसे नहीं मानता। उसकी ओर से पहले भी कहा जा चुका है कि वह खैबर पख्तूनख्वा को अफगानिस्तान में मिलाना चाहता है। इसी कोशिश में वर्ष 2009 में स्वात के एक बड़े हिस्से पर तालिबान का कब्जा हो गया था। खबरें तो ये थीं कि तालिबान के आतंकवादी इस्लामाबाद से सिर्फ 100 किमी की दूरी पर थे। वे देर-सबेर वहां पहुंचने की कोशिश जरूर करेंगे। जब अगस्त 2021 में तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा किया था तो सबसे ज्यादा खुशियां पाकिस्तान में मनाई जा रही थीं। उसके टीवी स्टूडियो में बैठकर कथित बुद्धिजीवी यह दावा करने लगे थे कि अब कश्मीर की ओर कूच किया जाएगा ... तालिबान के लड़ाके हमारे लिए लड़ेंगे। उसके बाद जो घटनाएं हुईं, उससे उक्त 'बुद्धिजीवी' पूरी तरह ग़लत साबित हुए। तालिबान ने पाकिस्तान पर खूब हमले किए। सरहदी इलाकों में गोलीबारी, बम धमाकों की घटनाएं बढ़ गई हैं। थक-हारकर आईएसपीआर को अब यह कहना पड़ रहा है कि अफगान सरकार से उम्मीद की गई थी कि वह पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी कृत्यों को बढ़ावा देनेवाली गतिविधियों के लिए अपनी धरती का इस्तेमाल नहीं होने देगी। इस बयान से पाक की हताशा झलकती है। अगर उसने अपनी जमीन पर आतंकवादी नहीं पाले होते और दहशत की दुकान नहीं खोली होती तो आज उसे ये दिन नहीं देखने पड़ते। खैर, अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत! रावलपिंडी के जनरल उस फसल का आनंद लें, जिसकी खेती में उन्होंने अपने पूर्ववर्तियों के साथ मिलकर नफरत की खाद खूब छिड़की थी।

ट्वीटर टॉक

प्रदेश में सत्ता परिवर्तन का आधार बन रही संकल्प परिवर्तन यात्रा में आज खैरवाड़ा विधानसभा में विभिन्न स्थानों पर जनसंपर्क करते हुए जनसभा को संबोधित किया। यात्रा को विधानसभा क्षेत्र में मिल रहा लोगों का स्नेह और समर्थन।

-सीपी जोशी

श्री कृष्ण जन्माष्टमी की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। श्री कृष्ण अध्यात्म के साथ धर्म, सत्य, और ज्ञान के प्रतीक भी हैं। आइए, जन्माष्टमी पर देवकीनंदन के उपदेशों को अपने जीवन में आत्मसात करने का प्रण लें। नंदगोपाल की कृपा से सबका कल्याण हो, यही प्रार्थना है।

-ओम बिरला

बी. टी. कॉटन की फसल को लट से भारी नुकसान हुआ है, मेरा राज्य सरकार से आग्रह है कि नुकसान का जायजा लेकर प्रभावित किसानों को संबल प्रदान करें। आज परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर क्षेत्र में नरमा की फसल का जायजा लिया।

-सतीश पूनिया

प्रेरक प्रसंग

गृहस्थ या साधु ?

एक व्यक्ति कबीरजी के पास गया और बोला- मेरी शिक्षा तो समाप्त हो गई। अब मेरे मन में दो बातें आती हैं, एक यह कि विवाह करके गृहस्थ जीवन यापन करूँ या संन्यास धारण करूँ? इन दोनों में से मेरे लिए क्या अच्छा रहेगा यह बताइए? कबीरजी ने कहा दोनों ही बातें अच्छी है जो भी करना हो,वह सोच-समझकर करो,और वह उच्चकोटि का हो। उस व्यक्ति ने पूछा उच्चकोटि का करना चाहिए। उस व्यक्ति ने पूछा उच्चकोटि का कैसे है? कबीरजी ने कहा- किसी दिन प्रत्यक्ष देखकर बतायेंगे वह व्यक्ति रोज उत्तर प्रतीक्षा में कबीर के पास आने लगा।एक दिन कबीरजी दिन के बारह बजे सूत बुन रहे थे। खुली जगह में प्रकाश काफी था कबीर साहेब ने अपनी धर्म पत्नी को दीपक लाने का आदेश दिया। वह तुरन्त बिना किसी सवाल के जलाकर लाई और उनके पास रख गई। दीपक जलता रहा वे सूत बुनते रहे। सायंकाल को उस व्यक्ति को लेकर कबीरजी एक पहाड़ी पर गए। जहाँ काफी ऊँचाई पर एक बहुत वृद्ध साधु कुटी बनाकर रहते थे। कबीरजी ने साधु को आवाज दी। महाराज आपसे कुछ जरूरी काम है कृपया नीचे आइए।

सामयिक

बिगड़ा हुआ बचपन

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल-7379100281

गत अप्रैल में एक सम्मेलन में जाने का अवसर मिला। इसके अंतर्गत बच्चों और किशोर पीढ़ी पर चर्चा होनी थी। इसमें अध्यापक, बाल साहित्यकार और अभिभावकों के अलावा बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार निर्माण और बाल अधिकार के क्षेत्र में कार्यरत एन.जी.ओ. के प्रतिनिधि भी प्रतिभाग करने आए थे। यहाँ साझी चिंता यह देखने में आई कि आज के बच्चे बहुत बिगड़ गए हैं, यह किसी की नहीं सुनते हैं। अभिभावकों की आम शिकायत थी कि बच्चे हमेशा गैजेट्स से लगे रहते हैं। पता नहीं क्या-क्या देखते रहते हैं ?... एक एसोसिएट प्रोफेसर का कहना था कि अभी किशोर इतने आक्रामक और आवेशित रहने लगे हैं कि कब क्या कर गुजारें, कोई ठिकाना नहीं !

इस बात ने मुझे इंदौर में 20 फरवरी की उस हृदयविदारक घटना की याद ताजा करा दी। उस रोज वहाँ बीएम फार्मेसी कालेज की प्रिंसिपल विमुक्ता शर्मा को उनके कालेज के छात्र आशुतोष श्रीवास्तव ने पेट्रोल डाल के जला दिया था। 80 प्रतिशत जली अवस्था में लगातार 5 दिनों तक जीवन और मौत की लड़ाई में अंततः 25 फरवरी को प्रिंसिपल ने आखिरी सांस ली थी। यह उस देश की नृशंस घटना है , जहां गुरु का दर्जा गोविन्द से बड़ा बताया गया है। आशुतोष का असंतोष प्रबंधन से था। इसे थोड़े से धैर्य से सुलझाया जा सकता था। मगर प्रबंधन की हठधर्मी और आशुतोष की संस्कारहीनता वह कारक हैं, जिसके कारण वह आवेग पर काबू न रख सका और यह भयावह सनसनी भरा जघन्य कृत्य घटित हो गया।

वास्तव में आज भारतीय समाज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां युवाओं के मन में कुंठा, तनाव और असहिष्णुता विस्फोटक स्तर तक जा पहुंची है। समाज में एक नाजायज मान्यता स्थापित होने लगी है कि जो शक्तिशाली है, दुस्साहसी है-वही प्रभुत्वशाली है। उसका सारा काम होना ही होना है। यह बड़ी खतरनाक बात है। आशुतोष को जल्दी मार्कशीट चाहिए थी, जिससे वह कहीं लग के चार पैसा कमाता और अपने गरीब माँ-बाप का आर्थिक संबल बन सकता। लेकिन ढेर सारे दबाओं के बीच वह ऐसा कारनामा कर गुजरा, जिसकी तपिश से शायद ही अब कभी जीवन में उबर पाए। डॉ. भैरूँलाल गर्ग (सम्पादक बाल वाटिका) के शब्द उधार लेकर कहूँ तो... आज बच्चे के भौतिक विकास के लिए माँ-बाप असीमित पैसा खर्च करने को तैयार हैं। किन्तु बालकों के संस्कारगत विकास को लेकर तनिक भी जागरूक नहीं हैं। हमने मूल्यगत शिक्षा से उसे दूर कर दिया है। लेकिन अधिक समय तक यह नहीं चलने वाला है। हमें वापसी करनी होगी उन्हीं मूल्यों और संस्कारगत शिक्षा की ओर, जो हमें हर तरह से निरापद ही नहीं बनाती, अपितु सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ आत्मसंतोष भी प्रदान करती है।

शिक्षा के सामने भी दिक्कत है, उसे समाज में रहकर काम करना है। वह शून्य में काम नहीं कर सकती। आज के समाज का अच्छी शिक्षा का पैमाना यह है कि वह बच्चे को बौद्धिक रोबोट बना दे। ताकि वह बड़ा अफसर, टेक्नोक्रेट, व्यापारी, प्रशासक, वकील, डॉक्टर, कालोनाइजर वगैरह बने। अच्छे इंसान को तो समाज ने पहले ही अपनी प्राथमिकता से बाहर कर रखा है। तो पहले नजरिया बदले। एक मेहनती, ईमानदार, कर्मठ और समाज के लिए जीने वाले व्यक्ति को भी अच्छे आदमी' के चौखटे में लाया जाए तब यह संभव होगा।

आज के बच्चे विकल्पहीन दुनिया में जन्म ले रहे हैं। उनके पास ऐसी दुनिया है ही नहीं, जहां रहकर वे सम्वेदना, मानवीय मूल्य, सद्भाव, प्रेम, सहयोग, सहकार के प्रयोग कर सकें। यह पढ़ाई के नहीं, बल्कि आनन्द के बीच विकसित होने वाले भाव हैं। छात्रों में हिंसा बढ़ रही है तो मतलब उनके अन्दर का प्रसुप्त एनिमल इंस्टिंक्ट' जग गया है। आँख खोलते ही उनको लंबी रेस का घोड़ा बनाकर उनसे मानवीयता की मांग निरर्थक है। सदैव आगे रहने का पाठ अंततः सही-गलत' की सीमा का अतिक्रमण कर गया है। उनमें आक्रोश, उत्तेजना, मारामारी, अकेलापन बढ़ाने का यह भी एक कारण है। ध्यातव्य है कि अहिंसा के पुजारी महात्मा बुद्ध, महावीर, गांधी के इस देश में हिंसा को बढ़ावा देकर राजनीति ने जैसा महौल बना दिया है, उसकी छाप से बच्चों का कोमल मानस कैसे अछूता रह सकता है? अभिभावक दुखी हैं, लेकिन क्यों? गलाकाट प्रतिस्पर्धा वाली दुनिया तो उन्होंने ही बनाई है।

आज बच्चा जन्मते ही अच्छे प्ले वे स्कूल में दाखिले के लिए नर्सरी राइम रटने लगता है। यह राइम उसके लिए निरर्थक होती है। इसका कोई स्वाद उसे नहीं मिलता, क्योंकि अंग्रेजी में होती है। उसकी अपनी बोली में हो तो स्वाद भी मिले। यह उसके लिए एक बोझ होता है। एक बार यह बोझ गले पड़ता है, तो फिर पूरा जीवन बोझ से दबकर रह जाता है। बच्चे किसी की नहीं सुन रहे, तो होना भी यही था। दादी-नानी की मूल्यपरक कहानियाँ, साथियों संग खेलना, तितलियों के पीछे भागना, टीलों पर चढ़ना, बाग में घूमना, यहाँ तक कि सादगी और नैतिकता की प्रतिमूर्ति शिक्षक कुछ भी तो नहीं बचा हैं उनके जीवन में ! कहाँ से ग्रहण करें वे मूल्य, धैर्य, अनुशासन, नैतिकता और सहजता !

शिक्षा धीरे-धीरे निजी क्षेत्र में हस्तांतरित होती चली गई है। आज स्थिति यह है कि पब्लिक स्कूलों की चमक-दमक और इन स्कूलों से निकले बच्चों के सफल कैरियर की प्रचारित धूम का डंका बज रहा है। शिक्षा से मुनाफा कमाना तो दूर, उसके विषय में सोचना भी निकृष्ट समझा जाता था। मगर आज के पब्लिक स्कूल लाभ कमाने के अच्छे उपक्रम बन चुके हैं। इन दिनों यह सुनना वास्तव में सुखद है कि कोरोना के बाद एक बार फिर अभिभावक राज्य द्वारा संचालित शिक्षा संस्थानों की तरफ रुख कर रहे हैं। कुछ भी हो राजकीय शिक्षक निजी उद्यमों से संचालित स्कूल के शिक्षाकर्मी की तुलना में बेहतर होते हैं। क्योंकि उनके काम में एक नैतिक दृष्टिकोण सदैव मौजूद रहता है।

निश्चय ही बालसाहित्य में बच्चों के बचपन को, उनके भविष्य को सँवारने की शक्ति है। मगर पिछले पच्चीस-तीस साल से किताबें आदमी की दिनचर्या से गुम होती जा रही हैं। बच्चे बालसाहित्य पढ़ने की प्रेरणा कहाँ से ग्रहण करेंगे ? संभवतः दादी-नानी से कहानी सुनने वाली पीढ़ी के हम आखिरी लोग हैं। अगर हमारी याददाश्त ठीक है और हम बचपन की सुनी दो-एक कहानी भी लिख छोड़ें तो एक बड़ा खजाना एकत्र हो सकता है। कहावतों में छिपी कथाएं, खेलगीत, पहेलियों की एक अलग दुनिया थी। इन कहानी कविताओं वही सवाल खड़ा कर सकते हैं, जो बालमन और साहित्य के अंतर्सम्बन्ध को नहीं जानते।

पुरानी सामग्री को बच्चों के लिए आडिओ रूप में प्रस्तुत करना भी बच्चों को संवेदनशील और चरित्रवान बनाने की दिशा में एक बड़ा कारगर काम होगा। यह सामग्री हमारी संस्कृति की संवाहक हैं। संस्कृति की महक बच्चों को अपनी तरफ खींचेगी ही ! नई पीढ़ी को उचित दिशा देने के लिए हमें आगे बढ़ने से पहले एक नजर पीछे डालना होगा, वहाँ जो संभावनापूर्ण उसे लेते हुए आगे बढ़ेंगे तभी सफल होंगे।

मंथन

सफल जीवन के लिए महत्वपूर्ण है साक्षरता

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

साक्षरता के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को विश्वभर में 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ आज 57वां 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितम्बर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितम्बर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितम्बर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है।

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं लेकिन विड़म्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 127 देशों में से 101 देश ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

नजरिया

जम्मू कश्मीर की वादियों में पूर्ण शांति

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

जम्मू कश्मीर की वादियों में अब अमन चैन लहराने लगा है। कई देश और प्रदेश यहां पर्यटन के विकास के लिए और इसके अर्थ तंत्र को मजबूत करने में भारत सरकार का साथ दे रहे हैं। कश्मीर में पर्यटन फिर से फलने फूलने लगा है शांति स्थापित होने के साथ साथ ही राष्ट्रीय त्यौहार बड़े जोर-शोर से मनाया जाने लगा है। भारत सरकार काश्मीर की शांति, सद्भावना और विकास के लिए कटिबंध है। अब जम्मू काश्मीर में शांति और सद्भावना धीरे-धीरे बहाल हो रही है और प्रदेश खुशहाली की तरफ बढ़ रहा है। इतिहासकार जम्मू कश्मीर को भारत का स्वर्ग कहते आए हैं, और यह अत्यंत सही भी है की जम्मू कश्मीर की लुभावनी फिजाएं सुरम्य झील, नदियां, पहाड़ पर्यटकों को लुभाती आ रही हैं। पाक समर्थित आतंकवादी यह नहीं चाहते कि जम्मू कश्मीर में फिर शांति सद्भावना स्थापित हो और कश्मीरी ब्राह्मण वापस आकर रहने लगे। ये आतंकवादी इस मंतव्य से जाति विशेष के लोगों की हत्या कर रहे हैं कि वहां पर जातिगत वैमनस्यता भड़का कर घाटी में ज्यादा से ज्यादा अशांति का संचार हो और वह अपने मकसद पर कामयाब हो जाए। इधर एलएसी में नापाक चीन द्वारा तवांग घाटी में घुसपैठ करने की कोशिश की गई जिसका भारतीय सेना ने मुंह तोड़ जवाब देकर उन्हें वापस खदेड़ा गया। एलओसी और एलएसी पर माहौल काफी चिंतनीय है और सीमा पर स्थाई समाधान खोजने की परम आवश्यकता है। जम्मू कश्मीर में 370 धारा हटाने के बाद पाकिस्तान लगातार तिलमिलाया हुआ है, और वहां शांति,अमन फैलने से काफी बेचैन भी है।

कश्मीर में चरमपंथी, कश्मीरी पंडितों की वापसी के बीच अल्पसंख्यकों का भरोसा तोड़ना चाहते हैं। कश्मीर में विगत 30 वर्षों से आतंकवादी हिंसा से 35 से 40 हजार लोगों की हत्या हो चुकी है। चरमपंथी जम्मू कश्मीर की शांति स्थापना के प्रयास को तोड़ना चाह कर, वहां अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। अत्यंत उल्लेखनीय है कि कश्मीर में धारा 370 हटाने के बाद केंद्र सरकार का वहां पर विकास की योजनाएं लागू करने पर पूरा जोर लगा रही है। चुनाव कराने की घोषणा के बाद राजनीतिक गतिविधियां भी तीव्रता के साथ बढ़ रही हैं। भारत-पाकिस्तान की सेनाओं के बीच संघर्ष विराम के बाद सीमाओं पर आए दिन होने वाली गोलीबारी तो शांत है। इसका मतलब यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि पाकिस्तान अपनी आतंकी हरकतों से बाज आ गया है। वह सीमा के पास लांच पैड से लगातार आतंकी हमलावारों को भारत की सीमा में प्रवेश कराने की कोशिश कर रहा है। एक प्रकरण में विगत दिनों सीमा पार करते हुए 4 में से 3 आतंकियों को मार गिराया गया एवं एक आतंकी को पकड़कर हिरासत में भी लिया गया। पकड़े गए आतंकवादी के बयान के अनुसार पाकिस्तान तथा उसकी खुफिया एजेंसी आई, एस, आई की पूरी पोल खुल गई है। और पाकिस्तान का आतंकवादी चेहरा बेनकाब हो गया है। पाकिस्तानी आतंकवादियों का फिर से 1990 वाली स्थिति में कश्मीर को लाने का प्रयास किया जा रहा है। उस समय कश्मीरी पंडित हिंसा और दहशत से घबराकर कश्मीर छोड़ कर चले गए थे। उन्होंने अपनी संपत्ति को छोड़कर तस्वीर से पलायन किया था। अब 370 धारा हटाने के बाद केंद्र सरकार का यह प्रयास लगातार जारी है कि कश्मीरी पंडित वापस जम्मू कश्मीर में अपनी बेची हुई या छोड़ी हुई जगह पर आकर फिर से काबिज हों एवं कश्मीर में फिर से शांति बहाल का बेहतरीन माहौल तैयार हो। वहां पर पर्यटन तथा उद्योगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। इन परिस्थितियों में पाकिस्तान बिल्कुल नहीं चाहेगा की जम्मू कश्मीर उनके हाथ से निकल कर पूरी तरह भारतीय सरकार की गिरफ्त में हो। पाकिस्तान का यह प्रयास है कि केंद्र शासन चीन के साथ लद्दाख तथा अरुणाचल प्रदेश की सीमा में व्यस्त होने के कारण, वह अपने आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर की सीमा में प्रवेश कराकर घाटी में आतंक का साया स्थापित कर सकता है,तो यह पाकिस्तान और आई,एस,आई को समझ लेना चाहिए कि भारत अपनी सीमा की रक्षा करने में सक्षम तो है ही साथ ही अंतरराष्ट्रीय मित्र देशों का भी उसके साथ समर्थन है। उधर पाकिस्तान की स्थिति यह है कि कुछ मुस्लिम देशों को छोड़कर पूरी मुस्लिम देशों की बिरादरी पर वह अलग-थलग पड़ गया है। उसकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब है और अपने मालिक चीन की आर्थिक सहायता के दम पर वह देश का खर्चा चला रहा है। अमेरिका को पिछले दो दशकों से अफगानिस्तान में अमेरिका को लगातार धोखे में रख तालिबानी आतंकवादियों की तन मन धन से सहायता कर वैश्विक अशांति को फैलाने का प्रयास कर रहा है। कश्मीर घाटी में विगत 10 दिनों में जिस तरह से आतंकी गतिविधियों में तेजी आई है यह स्पष्ट संकेत करते हैं कि पाकिस्तान सरकार और उसकी खुफिया एजेंसी आई,एस,आई तालिबान में आतंकवादियों की दिशा भारत के जम्मू कश्मीर की तरफ मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। कश्मीर में आतंकवादी अल्प संकट हिंदुओं को निशाना बनाकर उनके धार्मिक स्थलों क्षतिग्रस्त कर आस्था पर चोट करने का प्रयास कर रहे हैं। यह विदित है कि पाकिस्तान की सीमा से लगा कश्मीर सामरिक दृष्टि से भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इन हालातों को मद्दे नजर रख भारत को सजग रहकर चौकी करनी होगी आतंकी घटनाओं पर जम्मू कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर सिन्हा जी ने आश्वस्त किया है कि आने वाले कुछ दिनों में इन आतंकियों का पूर्ण रूप से सफाया कर दिया जाएगा और फिर सेना तथा जम्मू कश्मीर पुलिस अमन चैन स्थापित करने का प्रयास करेगी। यह एक अच्छी खबर है कि भारत सतर्क एवं सावधान है। पिछली जुलाई तक मारे गए 136 आतंकवादियों में 15 आतंकवादी विदेशी थे। मई महीने में आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन का एक दुर्दांत आतंकी जुनेद सरई श्रीनगर एनकाउंटर में मारा गया था। अब यह अत्यंत जरूरी हो गया है कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को समूल नष्ट किया जाए। जम्मू कश्मीर में फिर से शांति बहाल होकर विकास की नई धारा प्रवाहीत की जानी चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जलाभिषेक

पटना में गुरुवार को जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर इस्कॉन मंदिर में भक्तों ने भगवान कृष्ण का जलाभिषेक किया।

नाम बदलने का अनुरोध प्राप्त होने पर ही किया जाता है विचार: 'भारत' विवाद पर संरा प्रवक्ता

संयुक्त राष्ट्र/भाषा

जी-20 के रात्रिभोज निमंत्रण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' की जगह 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' कहे जाने संबंधी विवाद के बीच संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि वैश्विक निकाय नाम बदलने के लिए अनुरोध प्राप्त होने के बाद ही देशों की इस तरह की मांग पर विचार करता है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस के उप-प्रवक्ता फरहान हक ने बुधवार को पिछले साल तुर्की द्वारा अपना नाम बदलकर तुर्किये किए जाने का हवाला दिया।

'इंडिया' का नाम बदलकर 'भारत' किए जाने की अटकलों से संबंधित सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'तुर्किये के मामले में सरकार की ओर से आधिकारिक अनुरोध प्राप्त होने के बाद हमने कदम उठाया था। जाहिर है कि अगर हमें इस तरह का अनुरोध मिलता है, तो हम उस पर वैसे ही विचार करेंगे जैसे हमें प्राप्त होगा।'

जी-20 रात्रिभोज के निमंत्रण में राष्ट्रपति मुर्मू को 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' की जगह 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' कहे जाने के बाद देश में विवाद छिड़ गया है। विपक्षी दलों ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर देश का नाम 'इंडिया' से बदलकर भारत करने की योजना बनाने का आरोप लगाया है।

बाइडन के स्वागत में 2000 दीयों के साथ रेत की कलाकृति बनाई

भुवनेश्वर/भाषा। रेत की कलाकृतियां बनाने वाले प्रसिद्ध कलाकार सुदर्शन पटनायक जी-20 शिखर सम्मेलन के आलोक में पुरी के तट पर दो हजार मिट्टी के दीयों का इस्तेमाल कर छह फीट लंबी कलाकृति बनाई है।

जी 20 सम्मेलन राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में नौ एवं 10 सितंबर को होगा। पटनायक ने रेत से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन एवं जी-20 के लोगो की आकृति बनाई है । इसमें एक संदेश भी लिखा है- 'भारत में स्वागत' है। उन्होंने बताया कि कलाकृति बनाने में लगभग पांच टन रेत का उपयोग किया गया है और इसे पूरा करने में सैंड आर्ट इंस्टीट्यूट के छात्रों ने उनका सहयोग किया। पटनायक ने कहा, ''अतिथियों का स्वागत दीये और आरती से करना हमारी संस्कृति है।

'छह जनवरी के सभी शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को माफ कर दूंगा'

वाशिंगटन/भाषा

रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ में शामिल विवेक रामास्वामी ने कहा है कि अगर वह 2024 में अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में चुने जाते हैं तो वह छह जनवरी के सभी शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को माफ कर देंगे।

पिछले महीने 'रिपब्लिकन प्राइमरी प्रेसिडेंशियल डिबेट' में अहिंसक प्रदर्शनकारियों के ''राजनीतिक उत्पीड़न'' को लेकर अमेरिकी न्याय विभाग की निंदा करने के बाद 38 वर्षीय भारतीय अमेरिकी उद्यमी की लोकप्रियता बढ़ी है। उन्होंने एक बयान में कहा, ''अमेरिका में अब दो-स्तरीय न्याय प्रणाली है: एंटीफा और बीएलएम दंगाई आजाद घूमते हैं जबकि छह जनवरी को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले प्रदर्शनकारियों को बिना जमानत के जेल में डाल दिया जाता है। जो. बाइडन के 'अन्याय विभाग' ने छह जनवरी से संबंधित अहिंसक अपराधों के लिए 1,000 से अधिक गिरफ्तारियां की हैं, जो न्याय की देवी और हमारी कानूनी प्रणाली के मूलभूत सिद्धांतों पर एक काला धब्बा है।''

उन्होंने बुधवार को कहा, ''इस देश को एकजुट करने के लिए मैं राष्ट्रपति के रूप में उन सभी अमेरिकियों को माफ करने के लिए प्रतिबद्ध हूं जो राजनीति से प्रेरित संघीय मुकदमों का निशाना बने हैं और जिन्हें उचित प्रक्रिया से वंचित किया गया। इसमें छह जनवरी की घटना के सभी शांतिपूर्ण, अहिंसक प्रदर्शनकारी शामिल हैं, जिन्हें उनके संवैधानिक उचित प्रक्रिया अधिकारों से वंचित कर दिया गया है।''

छह जनवरी 2020 को जब सांसद चुनाव परिणाम को प्रमाणित कर रहे थे तो इसके विरोध में हुए दंगे में 2,000 से अधिक लोग यूएस कैपिटल में घुस गए थे। इस चुनाव में जो. बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप को हरा दिया था। ट्रंप के भाषण के बाद भीड़ ने कैपिटल पर धावा बोल दिया था, जो कैपिटल परिसर से कुछ ही दूरी पर एक रैली को संबोधित कर रहे थे। अपने भाषण में ट्रंप ने चुनाव में धोखाधड़ी का दावा किया था और तत्कालीन उपराष्ट्रपति माइक पेंस से परिणामों को पलटने का आह्वान किया था।

इस दंगे के कारण अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी पुलिस जांच हुई, जिसमें सैकड़ों लोगों पर आरोप लगाए गए।

रामास्वामी ने कहा कि वह अमेरिका में पुलिस शक्ति के सशस्त्रीकरण को समाप्त कर देंगे और कहा कि हर रिपब्लिकन उम्मीदवार को कठिन मुद्दों पर स्पष्ट होना चाहिए। उन्होंने रविवार को कहा कि उन्हें नवंबर 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में पार्टी का उम्मीदवार बनने की उम्मीद है, लेकिन अगर पूर्व राष्ट्रपति नामांकन हासिल कर लेते हैं तो वह ट्रंप को वोट देंगे।

रामास्वामी ने अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने पर ट्रंप को क्षमा करने का इरादा भी व्यक्त किया, जो वर्तमान में कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

जी-20 में अफ्रीकी संघ को शामिल करने के प्रस्ताव का समर्थन करते हैं : चीन

बीजिंग/भाषा

चीन ने अफ्रीकी संघ (एयू) को जी-20 में शामिल करने के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि वह पहला देश है जो पुरजोर तरीके से संगठन में अफ्रीकी समूह को शामिल करने का समर्थन करता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल में 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा था कि भारत, अफ्रीकी संघ को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-20 में बतौर पूर्ण सदस्य शामिल करने का समर्थन करता है क्योंकि धरती की भविष्य में कोई योजना सभी के प्रतिनिधित्व और उनकी आवाज सुने बिना सफल नहीं हो सकती है।

खबर है कि एयू को नौ और 10 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान संगठन में शामिल किया जाएगा। इस बारे में पूछे जाने पर चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि, ''चीन पहला देश है जिसने एयू के जी20 में शामिल होने के लिए स्पष्ट रूप से समर्थन व्यक्त किया है।''

उन्होंने कहा, '' हाल ही में चीन-अफ्रीका नेताओं के बीच हुए संवाद के दौरान राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने एक बार फिर जोर दिया कि चीन, जी-20 में एयू की पूर्ण सदस्यता का पूर्ण रूप से समर्थन करता है।''

माओ ने कहा कि चीन और एयू साझा भविष्य के साथ उच्च स्तरीय व्यवस्था के निर्माण और अंतरराष्ट्रीय समानता और न्याय की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। उन्होंने कहा, ''हम वैश्विक शासन में एयू की बड़ी भूमिका का समर्थन करते हैं।''

गत कुछ वर्षों से भारत वैश्विक दक्षिण या विकासशील देशों, विशेष रूप से अफ्रीकी महाद्वीप की चिंताओं, चुनौतियों और आकांक्षाओं को वैश्विक मंच पर रखने के मामले में खुद को एक अग्रणी आवाज के रूप में स्थापित कर रहा है। अफ्रीकी संघ की जी-20 सदस्यता के मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी नेतृत्व की भूमिका निभा रहे हैं। जून में, मोदी ने जी20 नेताओं को पत्र लिखकर नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी संघ को समूह की पूर्ण सदस्यता देने की वकालत की।

हफ्तों बाद, जुलाई में कर्नाटक के हम्पी में हुई तीसरी जी20 शेरपा बैठक के दौरान इस प्रस्ताव को औपचारिक रूप से शिखर सम्मेलन के लिए मसौदा विज्ञप्ति में शामिल किया गया था।

प्रधानमंत्री ने भारत के कई अखबारों में बृहस्पतिवार को प्रकाशित अपने लेख में कहा, '' हमारी अध्यक्षता में न केवल अफ्रीकी देशों की अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी देखी गई है, बल्कि हमने अफ्रीकी संघ को जी20 के स्थाई सदस्य के रूप में शामिल करने पर भी जोर दिया है।'' अमेरिका ने भी एयू को जी-20 में शामिल करने का पुरजोर तरीके से समर्थन किया है। एयू को जी-20 में शामिल करने का अंतिम निर्णय नौ और 10 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित शिखर सम्मेलन में लिया जाएगा।

इंडियन आइडल में जज बनें कुमार शानू

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड के जानेमाने पार्श्वगायक कुमार सानू इंडियन आइडल में जज की भूमिका में नजर आयेंगे। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का बहुचर्चित गायन रियलिटी शो, इंडियन आइडल, एक नए सीज़न के लिए लौट रहा है, जिसमें कुमार शानू प्रतिष्ठित जज श्रेया घोषाल और विशाल ददलानी के साथ जजों के पैनल में शामिल होंगे। कुमार सानू ने कहा, इंडियन आइडल देश के सबसे प्रतिष्ठित गायन रियलिटी शो में से एक है, जो महत्वाकांक्षी गायकों को परफॉर्म करने और अपने कौशल और गायन के क्षेत्र में अपने लिए एक अलग पहचान स्थापित करने के लिए एक मंच देता है। उस यात्रा का हिस्सा बनना वाकई खुशी की बात है, जिसमें उभरती प्रतिभाएं अपनी क्षमता का प्रदर्शन करती हैं और भारतीय संगीत जगत का हिस्सा बनने के अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाती हैं। कुमार सानू ने कहा, मैं पहले भी कई बार शो में अतिथि रह चुका हूं, लेकिन जज की भूमिका निभाना एक नया रोमांच है जिसका मैं इंतजार कर रहा हूं। अक्सर कहा जाता है कि संगीत हमें भावनात्मक स्तर तक पहुंचाता है, जहां अकेले शब्द कम पड़ जाते हैं। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि यह पीढ़ी अपने अचूक 'सुर' और 'ताल' से हमारी भावनाओं को कैसे उद्वेलित करेगी।

शिल्पा शेट्टी की फिल्म 'सुखी' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की आने वाली फिल'सुखी' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। सुखी के ट्रेलर में 38 साल की सुखप्रीत यानी 'सुखी' की जिंदगी को दिखाया है। सुखी यानी शिल्पा शेट्टी अपने परिवार की एक-एक जरूरत का ध्यान रखती है। बच्चों के स्कूल के लंच से लेकर ससुर के गोलियों तक सब कुछ सुखी करती है।एक दिन वह अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से थक जाती है और अपने तरीके से अपनी जिंदगी को जीना का सोचती है और अपने परिवार को कुछ दिनों के लिए छोड़कर दिल्ली आ पहुंचती है। जहां वो अपनी सभी सहेलियों से मिलती है। फिल्म सुखी में शिल्पा शेट्टी के अलावा अमित साध, कुशा कपिला दिलनाज ईरानी, पवलीन गुजराल और चैतन्य चौधरी भी नजर आएंगे। सुखी भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा और शिखा शर्मा द्वारा निर्मित है। सुखी का निर्देशन सोनल जोशी ने किया है और इसे जोशी, राधिका आनंद, पॉलोमी दत्ता और रूपिंदर इंद्रजीत ने लिखा है। यह फिल्म 22 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दही हांडी

मुंबई के दादर में गुरुवार को जन्माष्टमी के अवसर पर दही से भरे मिट्टी के बर्तन को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाने की कोशिश करते समय लड़खड़ाते श्रद्धालु ।

सुपर नेचुरल थ्रिलर में काम करेंगे अजय देवगन

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन,आर माधवन और ज्योतिका के साथ सुपर नेचुरल थ्रिलर फिल्म में काम करते नजर आयेंगे। अजय देवगन की आने वाली फिल्म की घोषणा हो गई है। यह एक सुपर नेचुरल थ्रिलर होने वाली है जिसका टाइटल अभी रिवील नहीं किया गया है। विकास बहल के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अजय देवगन के साथ आर माधवन और ज्योतिका नजर आयेंगी। अजय देवगन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर इस फिल्म के बारे में पोस्ट शेयर कर जानकारी दी है। इस पोस्ट में अजय देवगन ने बताया है,कुछ चीजें एक अलौकिक मोड़ लेने वाली हैं। विकास बहल के निर्देशन में बनने वाली एक दिलचस्प थ्रिलर में मैं, आर माधवन और ज्योतिका की तिकड़ी का गवाह बनूंगा। 8 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में यह फिल्म आपको सिनेमाघरों में देखने को मिल जाएगी।

फिल्म 'जवान' को पसंद करने के लिए आपसे प्यार करता हूं : शाहरुख

मुंबई/भाषा

सुपर स्टार शाहरुख खान ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह फिल्म 'जवान' के प्रति लोगों के असीम प्यार से अभिभूत हैं। खान ने अपने प्रशंसकों से वादा किया कि इस नयी फिल्म को देखने सिनेमा घर पहुंचे लोगों को वह समय निकालकर धन्यवाद देंगे। फिल्म 'जवान' का प्रदर्शन दुनियाभर के सिनेमा घरों में बृहस्पतिवार से शुरू हुआ। कई भारतीय शहरों में कुछ दर्शक सुबह पांच बजे से ही, पहले दिन का पहला शो देखने के लिए सिनेमाघरों पर उमड़ पड़े। फिल्म समीक्षकों की शुरुआती समीक्षाओं के अनुसार, एटली द्वारा निर्देशित यह फिल्म स्टंट, मजबूत भावनात्मक पक्ष और राजनीतिक कहानी का एक प्रभावशाली मिश्रण है।

शाहरुख ने एक्स पर पोस्ट किया, ''वाह, मुझे समय निकालना होगा और प्रत्येक 'फैन क्लब' और आप सभी को धन्यवाद देना होगा जो सिनेमाघरों में और यहां तक ङ्कङ्कि इसके बाहर इतनी खुशी से पहुंचे। इतना अभिभूत हूं कि मैं एक या दो दिन में फुर्सत मिलने पर निश्चित रूप से आवश्यक कदम उठाऊंगा। उफ!! 'जवान' को पसंद करने के लिए आप से प्यार करता हूं। हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज हुई 'जवान' एक ऐसे व्यक्ति की भावनात्मक यात्रा को रेखांकित करती है जो समाज में गलतियों को सुधारने के लिए तैयार है। इसमें विजय सेतुपति और नयनतारा भी हैं। गौरी खान द्वारा निर्मित और गौरव वर्मा द्वारा सह-निर्मित 'जवान' में सान्या मल्होत्रा, प्रियामणि, गिरिजा ओक, संजीता भट्टाचार्य, लहर खान, आलिया कुरैशी, रिद्धि डोगरा, सुनील ग्रोवर और मुकेश छाबड़ा के साथ-साथ विशेष अतिथि के रूप में दीपिका पादुकोण भी हैं।

प्रशंसकों ने शाहरुख के पोस्टर को दूध से नहलाया

फिल्म 'जवान' का नशा फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। शाहरुख खान के प्रशंसकों ने हैदराबाद के एक थिएटर के बाहर 'जवान' के सुपरस्टार के कट-आउट पर दूध चढ़ाया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें प्रशंसक शाहरुख के कट-आउट पर दूध डालते हुए एक सुर में शाहरुख जिंदाबाद के नारे लगाते और उनकी तस्वीर पर माला पहनाते नजर आ रहे हैं। वीडियो हैदराबाद के रामकृष्ण थिएटर का है। सोशल मीडिया इस बात का सबूत है कि 'पठान' की अपार सफलता के बाद, शाहरुख एटली द्वारा निर्देशित 'जवान' के साथ बड़े पर्दे पर फिर से वापस आ गए हैं। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो भरे पड़े हैं, जहां पहला शो शुरू होते ही थिएटर खचाखच भर गया था। एक वीडियो में पूरा थिएटर फिल्म के गाने 'नॉट रमैया वस्तावैया' पर डांस करता नजर आ रहा है। 'जवान' में शाहरुख खान दोहरी भूमिका में हैं, उनके साथ नयनतारा, विजय सेतुपति, दीपिका पादुकोण, प्रियामणि और सान्या मल्होत्रा हैं। इसे 7 सितंबर को रिलीज किया गया है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से डरे बिग बी, बताया - किसी दिन मैं बेरोजगार हो जाऊंगा

मुंबई/भाषा

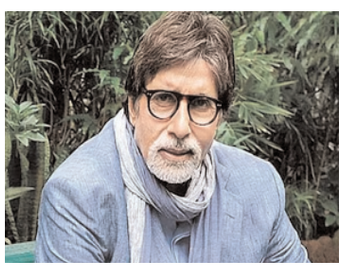

मेगास्टार अमिताभ बच्चन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से घबरा गए हैं। उन्होंने केबीसी के सेट पर कहा कि उन्हें भविष्य में इसकी वजह से रिप्लेस होने का डर है, क्योंकि यह फिल्मों में पहले से ही होना शुरू हो गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मशीनों की उन कार्यों को करने की क्षमता है, जो आमतौर पर मानव बुद्धि से जुड़े होते हैं, जैसे सीखना और समस्या का समाधान करना। क्विज आधारित रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन-15 के 18वें एपिसोड में होस्ट अमिताभ बच्चन ने अहमदाबाद, गुजरात के बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्र चिराग अग्रवाल का हॉट सीट पर स्वागत किया। 2,000 रुपये के प्रश्न के लिए चिराग से पूछा गया, इनमें से कौन सा शब्द आमतौर पर कंप्यूटर प्रोग्राम लिखने के लिए भी उपयोग किया जाता है? दिए गए विकल्प थे - कोडिंग, हाइविंग, स्ट्रीमिंग और क्लिकिंग। प्रतियोगी ने सही उत्तर दिया - कोडिंग।

'जंजीर' फेम अभिनेता ने कहा, कोड कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में इस्तेमाल किया जाने वाला एक शब्द है। यह कंप्यूटर को चरण-दर-चरण निर्देश देता है कि क्या करना है। आपने देखा होगा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दुनिया भर में फैल गया है। क्या आप कॉलेज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में सीख रहे हैं? प्रतियोगी ने उत्तर दिया, सर हमारे बहुत सारे पाठ्यक्रम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित हैं। हम एआई का भी अध्ययन करते हैं। मेरे पास आपके लिए एआई से संबंधित एक प्रश्न है। सर, जब एआई बनाया गया था तो सभी को आश्चर्य होता था कि क्या यह सबसे पहले मजदूरों की नौकरियां हड़पेगा। लेकिन, अब हम देख रहे हैं कि एआई अधिक रचनात्मक लेखन जैसी नौकरियों पर कब्जा कर रहा है।

इसके बाद चिराग ने कलाकार से पूछा, मैं अब आपके सामने बैठा हूं, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं। लेकिन, भविष्य में किसी दिन आपको शूटिंग के लिए देर हो सकती है। वो आपका एक आभासी होलोग्राम भेज सकते हैं और हम उसके साथ बातचीत कर सकते हैं। इस पर बिग बी ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, मैं आपको एक बात बता दूं, आप अभी होलोग्राम से बात कर रहे हैं।

80 वर्षीय अभिनेता ने आगे कहा, ''मैं इतना समझदार नहीं हूं कि यह सब समझ सकूं। लेकिन, हां, मैंने ऐसे कई उदाहरण सुने हैं। और, यह मुझे डराता है, एक दिन, वे मेरी जगह ले सकते हैं। यह फिल्मों में पहले से ही हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे एक कमरे में बिठाया और वहां 40-45 कैमरे एक साथ तस्वीरें ले रहे थे। यह चारों ओर से बंद हो जाता है, और फिर वे मुझसे क्लॉकवाइज और एंटी क्लॉक वाइज में घूमने के लिए कहा गया। वे हमसे अपने चेहरे के भाव बदलने के लिए कहते हैं।

जब मैं उनसे पूछता हूं कि क्यों, तो वे कहते हैं कि इसकी आवश्यकता है और वे मुझे कभी नहीं बताते कि क्यों। उन्होंने आगे बताया, बाद में मुझे पता चला कि एआई का उपयोग करके वे इसे कहीं भी रख देंगे। भले ही मैंने इसके लिए शूटिंग नहीं की है, फिर भी ऐसा लगता है कि मैंने इसकी शूटिंग की है। लेकिन, मैं चिंतित हूं। वे किसी दिन मेरी जगह ले सकते हैं और मैं बेरोजगार हो जाऊंगा। यदि भविष्य में ऐसा हो तो मुझे अवश्य बचायें। हमें अपने क्षेत्र में मुश्किल से ही नौकरियां मिलती हैं और जब हमें कुछ करने को मिलता है तो हम खुश होते हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति 15' सोनी पर प्रसारित होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शुक्रवार | 08-09-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

मनुष्य जीवन में व्यक्तित्व का विशेष महत्व होता है। सूरत कैसी भी हो, लेकिन सीरत अच्छी होनी चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि यही सीरत ही आपके व्यक्तित्व को दर्शाती है। कुछ लोग बहुत सुंदर दिखते हैं, लेकिन उनके बजाय कोई साधारण-सा व्यक्ति हमारे मन में अपनी गहरी छाप छोड़ देता है। बाहरी तौर पर सुंदर दिखने वाले शख्स की तुलना में साधारण व्यक्ति के चेहरे पर छाई मधुर मुस्कान, उसके व्यवहार में शिष्टाचार और बातचीत करने का सलीका हमारे दिलो-दिमाग में एक खास पहचान बना लेता है। उन्होंने आगे कहा कि हर मनुष्य का अपना-अपना व्यक्तित्व, अपनी पहचान है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबटूर स्थानकवासी जैन संघ के सदस्यों ने गुरुनिसा जयंती समारोह के मौके पर चातुर्मास काल में प्रवास कर रही श्रमण साध्वियों की सेवा के लिए डॉक्टर पीयूष पटवा का सम्मान करते हुए 'संघ सेवा शिरोमणि' उपाधि से भी अलंकृत किया गया। संघ के अध्यक्ष राजेश बोहरा, सचिव सुनील हिंगड़, सह सचिव अजय टाटिया, कार्यकारिणी सदस्य दिलीप बोहरा, ज्ञानचंद खारीवाल, देवराज रांका, राजेशकुमार गादिया व अशोक नाहर ने डॉक्टर का सम्मान किया।

कृष्ण जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के माधावरम स्थित जांगिड़ ब्राह्मण समाज के विश्वकर्मा मंदिर में धूमधाम से कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। महिला व पुरुष श्रद्धालुओं ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर समाज के कन्हैयालाल माकड़, प्रमोद पंवार, कैलाश गेपाल, चोगाराम, लक्ष्मण वागेश सहित पुजारी कैलाश ओझा ने भगवान कृष्ण की विशेष पूजा की तथा पंजीरी का प्रसाद बांटा। यह जानकारी हीरालाल जोहड़ ने दी।

इंसान की इच्छाएँ ही भटकाती और आत्मा को अटकाती है : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट जैन भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी धर्मप्रभाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि इच्छाएं ही हमे भटकाती और अटकाती है और हमारे समस्त दुःखों की जड़ भी हमारी इच्छाएं ही है। जो हमारी आत्मा को संसार मे अटकाये रखती है। मनुष्य इच्छाओं के गुलाम और दास बनकर सुख नही भोग सकता है और न ही संसार से तिर पाता है। संसार के रिश्ते केवल शरीर तक ही है और हमारी आत्मा का रिश्ता अनंत है। फिर मनुष्य इच्छाओं का दास बनकर अपनी गति को बिगाड़ रहा है और संसार मे भटक रहा है। इंसान के भीतर मे संसार नहीं है यह बात मनुष्य के समझ आ जाए तो वह अपनी इच्छाओं के गुलाम नहीं बन पाएगा और इच्छाओं का दमन करके संसार के भटकाव से आत्मा को मोक्ष दिला सकता है। अशक्ति और मोह एक ऐसा बंधन है जो हमें संसार से बाहर नहीं निकलने देता है। मनुष्य की महत्वाकांक्षा इतनी है कि वो जिंदगी भर तक उसे पूरा करे तब भी वह पूरा नहीं कर सकता है। लेकिन मनुष्य आध्याम और धर्म के सहारे से इस सच को जान सकता है कि आत्मा का इच्छाओं से कोई लेना देना नहीं है। आत्मा अकेले ही संसार मे आई थी और अकेले ही जाने वाली है।

साध्वी स्नेहप्रभाजी ने कहा कि मनुष्य कि इच्छाएं और अरमान मनुष्य जिंदगी भर तक उसे पूरा करे तब भी वो पूरा नहीं कर सकता है। मनुष्य कि जरुरतें कम है,लेकिन उसकी इच्छाओ का कोई अनन्त नहीं है। हमारी धरती सम्पूर्ण जीवों की पूर्ति करने की ताकत है लेकिन धरती इच्छाओं के दास हो चुके महत्वाकांक्षी मनुष्य की पूर्ति नहीं कर सकती है। मनुष्य कि इच्छाएं इतनी है की वो आराम से सो नहीं सकता है एक पूरा करे, उससे पहले मनुष्य की दूसरी इच्छा जागृत हो जाती है। ताउम्र मनुष्य अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने केलिए दिन-रात पागलों की इधर उधर भागता रहता है,फिर भी उसकी इच्छाओं की पूर्ति नहीं कर सकता है। संयम की साधना करके मनुष्य अपने मन पर अंकुश लगाकर अपनी इच्छाओं पर कन्ट्रोल कर सकता है और आत्मा अपनी इस आत्मा को संसार से सदगति दिला सकता है। जैन संघ साहुकारपेट के कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया, महामंत्री सज्जनराज सुराणा ने बताया कि अनेक तपस्वियों ने साध्वीश्री धर्मप्रभा जी से प्रत्याख्यान लिए ।

पुण्यवानी से प्राप्त हुई हैं भगवान की जिनवाणी : साध्वी चैतन्यश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम सेन्टर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री चैतन्यश्रीजी म. सा. ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि हमारी अनंत पुण्यवानी से हमें पांचवें आरे में भी भगवान की जिनवाणी हमें प्राप्त हुई है। हमारे जीवन में सब गोलमाल है। एक समस्या खत्म हुई की दूसरी तैयार होती है। समस्या बढ़ाने वाली आधि, व्याधि और उपाधि है। ऐसा हो हमारा नेचर की बेस्ट बन जाए हमारा फ्यूचर। अभाव में हमें भटकना नहीं है उलझना नहीं है।

इस संसार में कहीं भी सुख नहीं है फिर भी संसार का त्याग नहीं कर रहे हैं। जिसने भी संसार का त्याग किया वह परम पद को प्राप्त कर लिया और परमात्मा बन गया जन्म मरण से हमेशा हमेशा के लिए छुटकारा मिल गया। प्रचार प्रसार समिति के संयोजक गौतमचंद गुगलिया ने बताया कि 12 सितम्बर से पर्युषण महापर्व प्रारंभ हो रहे हैं उसमें 8 दिन विभिन्न धर्म क्रियाएं रखी गई है। गुरुवार को सुनीता बोहरा ने 19 उपवास एवं हर्ष भंडारी ने 20 उपवास के पच्चखान लिये। यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचंद पावेचा दी।

साध्वी लावण्यश्री के सान्निध्य में मनाया गया ज्ञानशाला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के ज्ञानशाला प्रकोष्ठ के अंतर्गत देश भर में एकरूपता के साथ आयोजित ज्ञानशाला दिवस तेरापंथी सभा के तत्वावधान में दो स्थानों पर मनाया गया। साहूकारपेट भवन में साध्वीश्री लावण्यश्रीजी के सान्निध्य में कार्यक्रम हुआ। साध्वीश्री ने ज्ञानार्थियों को अनेक प्रकार की प्रेरणा प्रदान करते हुए कहानी के माध्यम से स्वयं से संबंधित कार्य स्वयं ही करने की सीख दी। उपाध्यक्ष मनोहरलाल हिरण ने स्वागत किया। निवर्तमान सभाध्यक्ष प्यारेलाल पितलिया ने ज्ञानशाला परिवार की प्रशंसा करते हुए अपने विचारों की अभिव्यक्ति में ज्ञानशाला के और अधिक विकास पर बल दिए जाने की बात कही। ज्ञानशाला आंचलिक सह संयोजक कविता रायसोनी तथा ज्ञानशाला प्रभारी सुरेश तातेड़ ने विचार व्यक्त किए।

मंचीय प्रस्तुति में ज्ञानार्थियों ने 5 गीतों पर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। चंद्रयान नाटिका की अभिनव प्रस्तुति के माध्यम से मोक्ष की यात्रा का काल्पनिक स्वरूप प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित जन समुदाय की अत्यंत सराहना प्राप्त हुई।

प्रशिक्षिकाओं ने सामूहिक गीत तथा हमारी ज्ञानशाला हमारी पहचान विषय पर सुंदर प्रस्तुति दी। इस अवसर पर प्रशिक्षिकाओं ने संकल्प ग्रहण किये तथा ज्ञानार्थियों की रैली भी आयोजित की गई। साध्वीश्री जी ने ज्ञानार्थियों से अनेक प्रश्नोत्तर किये तथा सही उत्तर देने वाले ज्ञानार्थियों को सभा द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन दमयंती बाफणा, अमिता रांका, सपना सेठिया व पिंकी सालेचा ने किया। कमल श्यामसुखा, पवन मांडोत, देवेंद्र सुराणा, पुखराज पारख, भरत मरलेचा ने व्यवस्था संभाली। धन्यवाद ज्ञापन सभा सहमंत्री देवीलाल हिरण ने किया।

सूरत कैसी भी हो, लेकिन सीरत अच्छी होनी चाहिए : आचार्य देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय सुमतिवल्लभ नार्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने धर्म प्रवचन देते हुए कहा कि मनुष्य जीवन में व्यक्तित्व का विशेष महत्व होता है। सूरत कैसी भी हो, लेकिन सीरत अच्छी होनी चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि यही सीरत ही आपके व्यक्तित्व को दर्शाती है। कुछ लोग बहुत सुंदर दिखते हैं, लेकिन उनके बजाय कोई साधारण-सा व्यक्ति हमारे मन में अपनी गहरी छाप छोड़ देता है। बाहरी तौर पर सुंदर दिखने वाले शख्स की तुलना में साधारण व्यक्ति के चेहरे पर छाई मधुर मुस्कान, उसके व्यवहार में शिष्टाचार और बातचीत करने का सलीका हमारे दिलो-दिमाग में एक खास पहचान बना लेता है। उन्होंने आगे कहा कि हर मनुष्य का अपना-अपना व्यक्तित्व, अपनी पहचान है। इसकी विशेषता यही है कि लाखों-करोड़ों लोगों की भीड़ में वह अपन निराले व्यक्तित्व के कारण पहचान लिया जाता है। दरअसल, व्यक्ति की उस संपूर्ण छवि का नाम ही व्यक्तित्व है, जो वह दूसरों के सामने बनाता है। यानी यदि आपकी छवि सकारात्मक होती है तो आप दूसरे के सामने प्रशंसा के पात्र बन जाते हैं। इसी तरह यदि आपकी छवि नकारात्मक होती है तो आप अपमान के पात्र बन सकते हैं। खास बात यह कि किसी भी व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके केवल एक गुण के कारण नहीं बनता, बल्कि इसमें उसकी संपूर्ण छवियां जैसे-ज्ञान, अभिव्यक्ति, सहनशीलता, गंभीरता, प्रस्तुतीकरण आदि होती है। हर व्यक्ति उस पत्थर की तरह है, जिसके भीतर एक सुंदर मूर्ति छिपी होती है, जिसे एक शिल्पी की आंख देख पाती है। वह उसे तराशकर सुंदर मूर्ति में बदल सकता है। हालांकि, मूर्ति पहले से ही पत्थर में मौजूद होती है, शिल्पी तो बस उस फालतू पत्थर को एक तरफ कर देता है, जिसमें मूर्ति ढकी होती है। जैसे किसी पेड़ पर दो पत्ते एक जैसे नहीं होते, वैसे ही हर व्यक्ति में अंतर होता है। सभी में कुछ खूबियां-खामियां होती हैं। बात सिर्फ इन्हें पहचानने और अच्छे गुणों को आत्मसात करने और बुरे गुणों का त्याग करने की है। यानी हम अपने व्यक्ति में हमेशा निखार ला सकते हैं।

इस ओर सबसे पहले अपने मन-मस्तिष्क में सकारात्मक सोच लानी चाहिए। मतलब यदि हम सदैव सकारात्मक विचार रखेंगे तो हमेशा सृजनात्मक कार्य करेंगे।

देशी खेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के विश्व प्रसिद्ध ईशा योगा फाउंडेशन के विनगिरी तलहटी स्थित आश्रम में देश विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने जन्माष्टमी मनाई। इस मौके पर विभिन्न पारम्परिक भारतीय खेलों जैसे दही डंडी, गीली डंडा, कुडिल, कटापुल्ट खेल का आयोजन किया गया।

किलपॉक जैन संघ में हुई पंन्यास दयासिंधु विजय की गुणानुवाद सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी म. सा. की निश्रा में पंन्यास दयासिंधु विजयजी महाराज की गुणानुवाद सभा आयोजित हुई। गौरतलब है कि पंन्यास मुनि हाल ही में गिरनार तीर्थ की यात्रा की 3000 सीढियां चढ़ने के दौरान कालधर्म को प्राप्त हुए। 52 वर्ष की आयु में उस समय उनकी वर्धमान तप की 94वीं ओली चल रही थी। वे गिरनार तीर्थ की यात्रा के साथ श्रावक के लिए लोच करने के लिए गिरनार पहाड़ जा रहे थे। आचार्यश्री ने इस मौके पर कहा कि श्रमण जब कालधर्म पाते हैं, तब शोकसभा नहीं होती और करनी भी नहीं चाहिए। रोना उसके लिए पड़ता है, जो कहां गया पता नहीं। श्रमण के लिए ऐसा सोचना आवश्यक नहीं होता क्योंकि वे जब दीक्षित होते हैं तब यह जाहिर करके दीक्षित होते हैं कि सारा संसार नश्वर है। खून के रिश्ते संपत्ति, शरीर से बनते हैं और आत्मा के रिश्ते गुणों से मिलते हैं।

पंन्यास दयासिंधु

उन्होंने कहा पंडित न होने पर भी उनके पास पांडित्य था। पंन्यास दयासिंधु विजयजी को 27 वर्ष की दीक्षा पर्याय में सन् 2012 में चेन्नई के साहुकारपेट स्थित आराधना भवन में उनके साथ चातुर्मास करने का अवसर मिला। भारत भर के संघ उनके साधु जीवन से शिक्षा ग्रहण करते हैं। उन्होंने बताया कि उनका सांसारिक परिवार चेन्नई में ही रहता है। वे बचपन में पाठशाला में उनके सहपाठी रह चुके हैं। उन्होंने कहा जिस साधु के पास वैयावच्च का गुण हो तो उसका जल्दी मोक्ष होता है। धनवान की दोस्ती नहीं करोगे तो चलेगा लेकिन गुणवान की दोस्ती अवश्य करो। हमें साधु के अंदर प्रवचन के साथ आचरण भी देखना चाहिए। ज्ञानियों ने आचार परमो धर्म बोला है, ज्ञान परमो धर्म नहीं। प्रवचनकार के पास ज्ञान होगा, आचार वाले के पास विज्ञान होगा।

आचार्यश्री ने कहा ज्ञानियों ने वैयावच्च गुण को सर्वश्रेष्ठ बताया है। वैयावच्च करने वाले की विशेषता यह होती है कि उसे स्वयं के सुखों को छोड़ना पड़ता है। आगे वाले का गुस्सा, क्रोध सहन करने की तैयारी रखनी पड़ती है। वैयावच्च करने वालों के स्वयं के खान-पान का ठिकाना नहीं रहता। वे थक भी जाए तो कोई शिकायत नहीं कर सकते। वैयावच्च के अंदर अभिमान नहीं आता है। ये वैयावच्च के गुण पंन्यास मुनि में कूट-कूट कर भरे थे। आचार्यश्री ने पंन्यास मुनि के गुणों पर प्रकाश डालते हुए कहा वे दाज और दाक्षिण्यता के भाव को स्वीकार करते थे। वैयावच्च करने वाले किसी के सहयोग के बिना ही आगे बढ़ते हैं। उनको गुरु के सामने कभी बोलने का विचार तक नहीं आया। ऐसे गुणवान पुरुष उनके शिष्यों के लिए ही नहीं, गुरु के लिए भी आदर्श बनते हैं। उनका यतना यानी जयणा नाम का गुण अव्वल था और वर्धमान तप की ओली भी गतिमान थी। उनका व्यवहार मिलनसार था एवं वे समायोज्य प्रकृति के थे।

टी.नगर स्थानक में श्रावक के लिए 12 व्रत कार्यशाला आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एस एस जैन संघ माम्बलम के तत्वावधान एवं चातुर्मासार्थ विराजित श्री वीरेंद्रमुनिजी म.सा. के सान्निध्य में बर्किट रोड़ स्थित टी.नगर स्थानक में आयोजित एक कदम श्रावक धर्म की ओर 8 वी कार्यशाला में डॉ उत्तमचन्द गोठी ने श्रावक के 12 व्रत का विवेचन किया। उन्होंने सर्वप्रथम सम्यकतत्व को मोक्ष की नींव बताते हुए कहा कि देव अरिहंत, गुरु निर्ग्रन्थ, केवली भाषित दयामय धर्म पर सच्ची श्रद्धा रखना ही समकित हैं। तदनन्तर शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को बताया कि श्रावक को त्रस जीव यानी कि -2 इन्द्रिय, 3 इन्द्रिय, 4 इन्द्रिय,पंचेन्द्रिय जीवों को जान के पहचान के संकल्प करके उसमे स्व संबंधी व स्व पीड़ाकारी अपराधी को छोड़ निरपराधी जीव को आकूटी के बुद्धि से नहीं मारना ही पहला अहिंसा व्रत हैं। साथ ही आत्म हत्या व भ्रूण हत्या नहीं करना भी इसी व्रत के अंतर्गत आता है। कार्यशाला में उपस्थित 36 श्रावक श्राविकाओं ने सम्यकतत्व प्रतिज्ञा एवं पहले अहिंसा व्रत पालन के प्रत्याख्यान ग्रहण किये। संघ मंत्री महेन्द्र गादिया ने जानकारी दी।

'धर्म के आशय को समझे वो धर्मात्मा'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के राजाजीनगर स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित पन्यासश्री भक्तिरत्नविजयजी, मुनिश्री भाग्यचंद्रविजयजी व बालमुनिश्री भक्तिदर्शनजी ने कहा कि धर्म के आशय को समझे वो धर्मात्मा। घर की सफाई करना आसान है, परन्तु आत्मा की सफाई करना कठिन है। इसलिए धर्म-अध्यात्म का अध्ययन गुरु से पाकर उस और मुड़ना चाहिए। गुरु के पैर लगना सरल है-किन्तु गुरु के बताये मार्ग पर चलना मुश्किल है। आज के समय में और पूर्व में भी काम सरल और भोले हृदय से गंभीर भूल होती है या जान बूझकर भूल की जाती है। उस भूल को ही वह हकीकत मान लेता है। उसकी इच्छानुसार कोई काम बन गया तो वह उछल पड़ता है, परन्तु जब उस कार्य का पर्याय वास्तविक बनता है और काँटेदार वृक्ष बन जाता है, तब वह भोला हृदय चीखता और चिल्लाता है। मनुष्य की यह भूल अभी की नहीं है उस संसार के जितनी पुरानी है। गुरुदेव ने बताया कि वास्तव में धर्मात्म वह होता है जो धर्मभावनाओं को बढ़ाने का काम करता है। केवल मंदिर चले जाने से, पूजा-पाठ कर लेने से कोई धर्मात्मा नहीं हो जाता धर्मात्मा तो धर्म के आशय को समझने वाला होता है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.